आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 सना खान दूसरी बार...

वर्ष : 27 | अंक : 18 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 08 जनवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दिल्ली के ‘शीशमहल’ पर सियासी ड्रामा

‘आप’ नेता मीडिया को लेकर पहुंचे सीएम आवास, पुलिस ने रोका

दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंगसे पहले सियासी पारा गर्म हो गया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल के आवास को लेकर आज बड़ा सियासी ड्रामा हुआ। आप नेता आज सुबह मीडिया के साथ सीएम आवास पहुंचे थे। यहां

दिल्ली में आम आदमी पार्टी नेताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक हो गई है। AAP नेता संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज समेत अन्य नेता सीएम हाउस पहुंचे हैं। इन नेताओं का कहना है कि बीजेपी कह रही है कि वहां लग्जरी सुविधाएं हैं। अगर वहां लग्जरी सुविधाएं हैं तो खोलकर दिखाया जाना चाहिए। AAP नेता अपने साथ मीडियाकर्मियों को लेकर पहुंचे थे। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद आप नेता धरने पर बैठ गए।

दिल्ली सीएम हाउस के बाहर पुलिस ने भीड़ को रोक लिया। सीएम हाउस के बाहर बेरिकेडिंग की गई थी। पुलिस ने बेरिकेडिंग क्रॉस नहीं करने दी, जिसके बाद विवाद होने लगा। इस दौरान AAP नेताओं की पुलिस से नोकझोंक हो गई। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा, हमें अंदर जाने के लिए अनुमति नहीं चाहिए। हमें बेवजह रोका जा रहा है। बाद में नेता सड़क पर ही बैठ गए।

AAP नेता भारद्वाज का कहना है कि हम बीजेपी नेताओं को सीएम हाउस दिखाना चाहते हैं। हम लोग पीएम हाउस भी जाएंगे और वहां भी सुविधाएं देखना चाहेंगे।

भाजपा प्रधानमंत्री का राजमहल दिखाए : संजय सिंह

दिल्ली (एजेंसी)। आप सांसद संजय सिंह ने 2700 करोड़ रुपये में बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आलीशान राजमहल को भाजपा को दिखाने की चुनौती दी। संजय सिंह ने भाजपा से मांग की है कि वह पीएम का राजमहल दिखाएं। संजय सिंह ने कहा था कि वे आज मीडिया के साथ पहले मुख्यमंत्री आवास जाएंगे। उसके बाद प्रधानमंत्री का आवास देखने जाएंगे। आप नेता संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज दिल्ली सीएम आवास के बाहर पहुंचे हैं। सीएम आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आप नेताओं को सीएम आवास में जाने से पुलिस ने रोक दिया है। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज और आप सांसद संजय सिंह की मुख्यमंत्री आवास के बाहर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ तीखी नोकझोंक हुई। मुख्यमंत्री आवास के बाहर पुलिस बैरिकेडिंग लगा दी गई है और भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। आप नेता संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज धरने पर बैठ गए। संजय सिंह का आरोप है कि पीएम मोदी के 2,700 करोड़ रुपये में बने राजमहल में 300 करोड़ की कालीन बिछी हुई है, 200 करोड़ का झूमर लगा है और वह 10-10 लाख के पेन, 6,700 जोड़ी जूते व 5,000 सूट का इस्तेमाल करते हैं। हम यह चाहते हैं कि दिल्ली और देश के लोगों को सच्चाई पता पता चले।

कांग्रेस की दूसरी गारंटी

दिल्ली वालों को 25 लाख का फ्री इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपनी दूसरी गारंटी जारी कर दी है। इससे पहले कांग्रेस ने प्यारी दीदी योजना की बात कही थी जिसके तहत दिल्ली की हर महिला को 2500 रूपये दिए जाएंगे।

दिल्ली में अगले महीने यानी फरवरी में विधानसभा चुनाव होने वाला है। दिल्ली में 5 फरवरी को वोटिंग होगी और 8 फरवरी को चुनाव के नतीजे आएंगे। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर लोक लुभावन वादे करने शुरू कर दिए हैं। अब कांग्रेस पार्टी ने दिल्लीवासियों के लिए ‘जीवन रक्षा योजना’ लॉन्च की है। इसके तहत दिल्ली के सभी नागरिकों को 25 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस मिलेगा यानी 25 लाख रुपए तक का फ्री इलाज होगा। इससे पहले कांग्रेस ने महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान किया था। पार्टी ने महिलाओं के लिए ‘प्यारी दीदी योजना’ शुरू करने की बात कही थी। इस योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये दिए जाएंगे।

ट्रांसफार्मर से तेल चोरी करने वाले बदमाशों से मुठभेड़

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में ट्रांसफर्मरों से तेल चुराने वाले गिरोह के दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड के दौरान गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए बदमाशों पर दो दर्जन से ज्यादा मुकदमें दर्ज हैं।

जानकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र के इटेहरा में पुलिस चैकिंग कर रही थी। इस दौरान एक लाल ऑल्टो कार को रोकने का प्रयास किया गया जिसमें सवार बदमाशों ने रूकने की बजाए पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। गिरफ्तार किए गए बदमाश ने इलाके में दो दर्जन से अधिक ट्रांसफार्मर से तेल व पार्टस चुराने की घटनाओं को अंजाम दिया है। इनके पास से ट्रांसफार्मर के पार्टस और टूल बरामद हुए हैं। घायल बदमाश को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

एक्सप्रेस-वे पर हादसा

घने कोहरे में भिड़े कैंटर, 3 की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा आगरा के बीच बने यमुना एक्सप्रेस-वे पर माइलस्टोन 142 के निकट घने कोहरे के कारण तीन कैंटर आपस में भिड़ गए। इसमें तीनों वाहनों के चालकों की मृत्यु हो गई। कुछ लोग घायल हुए हैं, जिनका उपचार आगरा में चल रहा है।

हादसा सादाबाद क्षेत्र में गांव मिढावली के पास हुआ। नोएडा से आगरा की ओर एक कैंटर दूसरे खराब कैंटर को जंजीर से खींचकर ले जा रहा था। माइलस्टोन 142 पर जंजीर टूट गई। दोनों कैंटरों के चालक उसे सही कर रहे थे। कोहरा होने के कारण पीछे से आ रहा तीसरा कैंटर उनसे टकरा गया। हादसे में तीनों के चालक राहुल, रंजीत एवं तरुण की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

मृतकों के नाम राहुल उर्फ बोबी पुत्र निवासी फरीदाबाद, रंजीत पुत्र विकास नगला उम्मेद हाथरस गेट और तरूण निवासी किरावली आगरा बताए गए हैं।

महाकुंभ के लिए स्टील की थालियां व थैले भेजे

नोएडा (चेतना मंच)। प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ के लिए नोएडा भी अपना व्यापक योगदान कर रहा है। महाकुंभ में करोड़ों लोगों के भोजन आदि के लिए नोएडा से हजारों स्टील की खाने की थालियां तथा थैले भेजे गए हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता, सांसद प्रतिनिधि तथा सनातन धर्म मंदिर के महासचिव संजय बाली ने बताया कि सनातन धर्म मंदिर से तीन खाने वाली स्टील की थालियां तथा सूती कपड़े के थैले प्रयागराज के महाकुंभ भेजे गए हैं। यह सभी थैले विभिन्न संस्थाओं तथा गणमान्य लोगों द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि गंदगी तथा पर्यावरण के मददेनजर महाकुंभ में पत्तल व प्लास्टिक आदि के बर्तनों पर पूरी तरह प्रतिबंध है। इसीलिए पर्यावरण की दृष्टि से स्टील की थालियां व सूती थैले (शेष पृष्ठ-3 पर)

यूपी पुलिस में 14 आईपीएस के तबादले

गौतमबुद्धनगर में अपर पुलिस आयुक्त अजय कुमार को मुख्यालय भेजा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पुलिस विभाग में योगी सरकार ने बड़ा फेरबदल किया है। 14 आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। शासन के निर्देश पर डीजीपी मुख्यालय ने मंगलवार देर रात को 14 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। देर रात 14 आईपीएस के तबादले कर दिये गये।

इसके तहत समीर सौरभ को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीसीआईडी, प्रयागराज से पुलिस अधीक्षक, सीबीसीआईडी, प्रयागराज की जिम्मेदारी दी गई है। मो.इरफान अंसारी को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय लखनऊ बनाया गया है।

वहीं रश्मि रानी को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, अभिसूचना मुख्यालय, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, अभिसूचना मुख्यालय, लखनऊ की जिम्मेदारी मिली है। वहीं लक्ष्मी निवास मिश्रा को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निवारण संगठन, मुख्यालय, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निवारण संगठन, मुख्यालय, लखनऊ बनाया गया है।

राजेश कुमार श्रीवास्तव को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, लखनऊ की जिम्मेदारी मिली है। विश्वजीत श्रीवास्तव को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, विधानसभा सुरक्षा, पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ से पुलिस उपायुक्त, (शेष पृष्ठ-3 पर)

सम्भल मस्जिद पर सुनवाई पर रोक

4 हफ्तों में सभी पक्षों से मांगा जवाब

प्रयागराज/संभल (एजेंसी)। संभल की जामा मस्जिद को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने संभल की जामा मस्जिद पर जिला कोर्ट में हो रही सुनवाई पर 25 फरवरी तक रोक लगा दी है। आज संभल की जिला कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पर सुनवाई होनी थी। हाईकोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों से 4 हफ्तों में जवाब मांगते हुए जिला कोर्ट में सुनवाई पर 25 फरवरी तक रोक लगाई है। संभल की जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर विवाद पर जिला कोर्ट में सुनवाई हुई। जामा मस्जिद पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रति स्थानीय कोर्ट में पेश की। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार अभी इस मामले पर कोई सुनवाई नहीं हो सकती है। जिसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई पांच मार्च को तय की। (शेष पृष्ठ-3 पर)

अग्निवीरों की 10 जनवरी से भर्ती

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सेना में अग्निवीरों की भर्ती के लिए छावनी के एएमसी स्टेडियम में 10 से 19 जनवरी तक रैली होगी। इसमें 13 जिलों के करीब 10 हजार वे अभ्यर्थी शामिल होंगे। ये अप्रैल में हुए ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) को पास कर चुके हैं। रैली अग्निवीर जीडी, तकनीकी, कार्यालय सहायक और ट्रेड्समैन के पदों पर भर्ती के लिए हो रही है। अग्निवीर भर्ती की यह प्रदेश में पांचवीं रैली होगी।

सेना के जनसंपर्क अधिकारी की ओर से जारी सूचना के मुताबिक अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र उनके पंजीकृत ईमेल पर भेज दिए गए हैं। भर्ती रैली में औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ जिलों के अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे।

पुण्यतिथि पर झुग्गीवासियों को कंबल बांटे

नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेस के नोएडा महानगर के पूर्व अध्यक्ष तथा युवक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव (प.उप्र) शाहबुददीन की माताजी की चौथी पुण्यतिथि पर आज सैकड़ों जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए तथा भंडारे का आयोजन किया गया।

सेक्टर-8, 9, 10 बांस-बल्ली मार्केट तिराहे पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम नागर ने गरीबों को कंबल बांटे। इस मौके पर सैकड़ों जरूरतमंद लोगों ने कंबल पाकर दुआएं दी। इस अवसर पर शाहबुददीन के अलावा, जगपाल चौहान, सूरज धामा, चांद मोहम्मद, विनोद, प्रेम, परवेज के अलावा कई कांग्रेसके नेता व गणमान्य लोग मौजूद थे।

दिल्ली में चुनावी प्रचार के लिए आप भाजपा व कांग्रेस ने बनाई रणनीति

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली विधानसभा के चुनाव की तिथि घोषित होते ही कड़ाके की ठंड में नोएडा में भारतीय जनता पार्टी के अलावा आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस में सियासी गर्माहट तेज हो गयी है। दिल्ली में अपने-अपने दल के प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार में ताकत झोंकने के लिए सभी दलों में रणनीति बननी शुरू हो गयी है।

भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता का कहना है कि पार्टी हाईकमान का निर्देश मिलने पर सभी पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता दिल्ली जाकर चुनाव प्रचार करेंगे तथा विभिन्न क्षेत्रों में पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने बताया कि इसको लेकर शीघ्र बैठक की जाएगी। इसके बाद सभी पदाधिकारियों व प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की विभिन्न क्षेत्रों में डयूटी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बार फिर जनता अरविंद केजरीवाल पर विश्वास जताकर उन्हें भारी बहुमत से जिताएगी। इस बार आम आदमी पार्टी प्रचण्ड बहुमत से सत्ता पर काबिज होगी।

कांग्रेस पार्टी के महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने बताया कि पार्टी के निर्देश के बाद सभी कार्यकर्ताओं की डयूटी दिल्ली में लगाई जाएगी। कार्यकर्ता सभी तैयार बैठे हैं। हाईकमान के आदेश का इंतजार है। उन्होंने कहा कि इस बार दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस श्रेष्ठ प्रदर्शन करके सरकार बनाएगी।

भाषा की सीमा

दिल्ली अर्द्धराज्य का चुनाव गरमाने नहीं, उबलने लगा है। दिल्ली में कौन 'आपदा' है और कौन 'बदनसीब', 'घोटालेबाज' है? इन सवालों का विश्लेषण करने से पहले हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहेंगे कि क्या भाजपा बदजुबान नेताओं की भी पार्टी है? प्रधानमंत्री ऐसे नेताओं पर खामोश ही नहीं हैं, बल्कि उन्हें चुनाव में प्रत्याशी भी बनाया गया है। फिलहाल रमेश बिधूड़ी भाजपा के सबसे बदजुबान, असभ्य, अमर्यादित नेता के तौर पर कुख्यात हैं। वह दो बार लोकसभा सांसद और 3 बार विधायक रह चुके हैं। नौसिखिया, बचकाना या अपरिपक्व नेता नहीं हैं। भाजपा ने उन्हें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस की अलका लांबा भी मुकाबले में हैं। बिधूड़ी ने एक सार्वजनिक मंच से कहा कि वह कालकाजी की सारी सडकें प्रियंका गांधी के गालों जैसी बनवा देंगे। यह अश्लील, असंगत उपमा देते हुए बिधूड़ी ने लालू यादव का उदाहरण दिया, जिन्होंने 2005 में बिहार की सडकें हेमामालिनी के गालों जैसी बनाने की घोषणा की थी। वह उपमा भी अश्लील थी और इस बार की उपमा भी भद्दी, महिला-विरोधी है। बिधूड़ी के बयान पर जबरदस्त राजनीतिक बवाल मचा, तो उन्होंने बयान वापस लेते हुए खेद व्यक्त किया, माफी नहीं मांगी। खेद जताने से ही अपराध की विद्रूपता कम नहीं हो सकती। बहरहाल इस प्रकरण के कुछ देर बाद ही बिधूड़ी ने उस मंच से, जहां से प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन तय था, एक बार फिर बदजुबानी की और कहा कि आतिशी ने तो अपना बाप ही बदल लिया। यह एक महिला का नहीं, दिल्लीवालों और वहां की मुख्यमंत्री का अपमान है। यह भद्दा, कुत्सित, महिला-विरोधी, आधी आबादी-विरोधी बयान लोकतंत्र का भी अपमान है। क्या ऐसी बदजुबानी पर प्रधानमंत्री भाजपा को वोट देने और आप-दा को बाहर करने का आह्वान कर सकते हैं? क्या दिल्ली की महिलाओं को ऐसे 'आदतन अपराधियों' को वोट देने चाहिए? दरअसल रमेश बिधूड़ी ऐसी बदजुबानी के 'आदी' हो गए हैं। उन्होंने बीती लोकसभा में विपक्षी सांसद दानिश अली को 'ओए-ओए..' कहकर संबोधित किया था और समूचे मुस्लिम समाज को 'आतंकवादी' करार दिया था। बिधूड़ी के खिलाफ एक जांच-समिति बिठाई गई, लेकिन उसका निष्कर्ष और निर्णय क्या रहा, क्या कार्रवाई की गई, आज तक कोई सार्वजनिक जानकारी नहीं है। बेशक भाजपा ने उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनाया, क्योंकि क्षेत्र में उनके खिलाफ जन-लहर महसूस की जा रही थी। अब विधानसभा चुनाव में उन्हें क्यों उतारा गया? यानी भाजपा बिधूड़ी की बदजुबानी को 'असभ्य, असामाजिक, अश्लील' बयानबाजी नहीं मानती। इस बार बिधूड़ी ने जो बयान दिए हैं, वे एक औसत महिला के सम्मान, स्वाभिमान और चरित्र पर करारा प्रहार करते हैं, जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 10 साल की राजनीति में भाजपा को महिलाओं ने लबालब वोट दिए हैं, जिन्होंने भाजपा की जीत सुनिश्चित की है। विडंबना तो यह है कि संसद में स्पीकर और संसद के बाहर, सार्वजनिक जीवन में, चुनाव आयोग ऐसी बदजुबानी का संज्ञान ही नहीं लेते, दंडित करना तो बहुत दूर की कौड़ी है। अश्लील बयानबाजी सिर्फ प्रियंका गांधी तक ही सीमित नहीं है। कांग्रेस के नेता भी अब कंगना रनौत और कैटरीना कैफ के गालों की उपमाएं दे रहे हैं, क्योंकि हेमा मालिनी बूढ़ी हो गई हैं। महिलाओं को 'परकटी' भी कहा गया है। कांग्रेस में रहते हुए संजय निरूपम ने तत्कालीन केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को 'ठुमके वाली' कहा था। सवाल यह है कि क्या विभिन्न राजनीतिक दल ऐसे बदजुबान नेताओं को 'अभयदान' देते रहेंगे?

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वेदों में विवाह की जैसी रीति कही गई है, महामुनियों ने वह सभी रीति करवाई। पर्वतराज हिमाचल ने हाथ में कुश लेकर तथा कन्या का हाथ पकड़कर उन्हें भवानी (शिवपत्नी) जानकर शिवजी को समर्पण किया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

पानिग्रहन जब कीन्ह महेसा। हियँ हरषे तब सकल सुरेसा॥
बेदमन्त्र मुनिबर उच्चरहीं। जय जय जय संकर सुर करहीं॥

जब महेश्वर (शिवजी) ने पार्वती का पाणिग्रहण किया, तब (इन्द्रादि) सब देवता हृदय में बड़े ही हर्षित हुए। श्रेष्ठ मुनिगण वेदमंत्रों का उच्चारण करने लगे और देवगण शिवजी का जय-जयकार करने लगे॥

बाजहिं बाजन बिबिध बिधाना। सुमनबृष्टि नभ भै बिधि नाना॥
हर गिरिजा कर भयउ बिबाहू। सकल भुवन भरि रहा उछाहू॥

अनेकों प्रकार के बाजे बजने लगे। आकाश से नाना प्रकार के फूलों की वर्षा हुई। शिव-पार्वती का विवाह हो गया। सारे ब्राह्माण्ड में आनंद भर गया॥

दासीं दास तुरग रथ नागा। धेनु बसन मनि बस्तु बिभागा॥
अन्न कनकभाजन भरि जाना। दाइज दीन्ह न जाइ बखाना॥

दासी, दास, रथ, घोड़े, हाथी, गायें, वस्त्र और मणि आदि अनेक प्रकार की चीजें, अन्न तथा सोने के बर्तन गाड़ियों में लदवाकर दहेज में दिए, जिनका वर्णन नहीं हो सकता॥ (क्रमशः..)

नेताओं की बढ़ती सम्पत्ति गरीबों को मुंह चिढ़ा रही है

"विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारुढ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं।"

भारत में 12.9 करोड़ लोगों को एक वक्त का खाना भी ठीक तरह से मयस्सर नहीं होता और नेताओं की सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती सम्पत्ति इनकी गरीबी का उपहास उड़ा रही है। इस पर भी तुर्रा यह है कि देश के नेता आम जनता के लिए काम करते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्रियों की इस सम्पत्ति का खुलासा चुनाव आयोग में दिए गए सम्पत्ति के ब्यौरे से हुआ है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि जो जानकारी दी है, वह सही या कुछ छिपाया गया है। दरअसल देश के नेता चुनाव आयोग को वही जानकारी देते हैं, जिसे वे आयकर रिटर्न में भरते हैं। देश में आयकर रिटर्न भरने वाले भी आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के जाल में फंसते रहे हैं। सिर्फ रिटर्न फाइल कर लेने मात्र से किसी की सम्पत्ति या आय दूध की धुली नहीं हो जाती। यदि ऐसा ही होता तो देश के सैकड़ों नेता ईडी, सीबीआई और आयकर के लपेटे में नहीं आते। हालांकि इनके जाल में फंसने के बाद नेता यही राग अलापते रहे हैं कि विपक्ष में होने के कारण उन्हें जानबूझ कर फंसाया गया है।

विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारुढ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं। चन्द्रबाबू नायडू और नीतिश कुमार के समर्थन से बहुमत में केंद्र की भाजपा सरकार में क्या इतना साहस है कि इनके दलों के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई कर सके। क्या यह संभव है कि इन दोनों दलों के नेताओं के भ्रष्टाचार की जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को नहीं हो।

यही वजह है कि जांच एजेंसियों पर दुर्भावना से कार्रवाई करने के आरोप लगते रहे हैं। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि जिन विपक्षी नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया, उनके मामले रफा-दफा कर दिए गए। 2014 से 2022 तक ईडी के निशाने पर रहे करीब 95 फीसदी यानी 115 नेता विपक्ष से थे। हालांकि ये आंकड़े 2022 तक के ही हैं। इसके बाद 2023 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे और इस दौरान विपक्षी दलों ने अलग-अलग राज्यों पर हुई ईडी, सीबीआई की छापेमारी को राजनीति से प्रेरित बताया था। वर्ष 2004-14 में 26 नेताओं से ईडी ने पूछताछ की थी। इनमें करीब 54 फीसदी यानी 14 नेता विपक्ष से थे। यह संभव है कि मुख्यमंत्रियों और दूसरे नेताओं ने सम्पत्ति व्यवसायों के जरिए अर्जित की हो, या फिर पुश्तैनी हो। इसके बावजूद इतनी भारी सम्पत्ति होना देश में गरीबी की जीवन रेखा से नीचे रहने वालों को मुंह तो चिढ़ाती है। जबकि नेता आम लोगों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। वर्ष 2023 बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट में पाया गया है कि दुनिया के सभी गरीब लोगों में से एक

तिहाई से अधिक दक्षिण एशिया में रहते हैं- जो लगभग 12.9 करोड़ लोग हैं। भारत इस संख्या में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो अत्यधिक गरीबी में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। विश्व बैंक अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी को परिभाषित करता है, जिसके अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 डॉलर की दर से अत्यधिक गरीबी तय की जाती है, जबकि 3.65 डॉलर निम्न-मध्यम आय श्रेणी में आता है, तथा 6.85 डॉलर उच्च-मध्यम आय श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है। वैश्विक निर्धारित गरीबी रेखा 3.65 डॉलर प्रति व्यक्ति है।

भारत का योगदान वैश्विक गरीबी दर में मामूली वृद्धि के 40 प्रतिशत के बराबर है, जो 23.6 प्रतिशत से बढ़कर 24.1 प्रतिशत हो गई है। भारत में गरीबी दर मिटाने के मामले में केरल सबसे आगे है। केरल में सिर्फ 0.71 प्रतिशत आबादी गरीब है। वहीं, बिहार, झारखंड, और उत्तर प्रदेश में गरीबी दर सबसे ज़्यादा है। बिहार में 51.91 प्रतिशत, झारखंड में 42.16 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत आबादी गरीबी में रहती है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 के मुताबिक, भारत को 127 देशों में 105वां स्थान मिला। भारत, अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार, और बांग्लादेश से भी पीछे है। भारत में भुखमरी की वजह से अक्सर मौत भी हो जाती है। भुखमरी के कारण बच्चों और वयस्कों में कुपोषण, बौनापन, और दुर्बलता हो सकती है। भुखमरी सिर्फ भोजन तक सीमित नहीं है, यह सरकार की ज़रूरतमंद लोगों की मदद करने में विफलता को दर्शाता है। भारत में भुखमरी की समस्या मुख्य रूप से बिहार, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान, और उत्तर प्रदेश में है। इन राज्यों में से, बिहार और उत्तर प्रदेश में भारत की कुल भूखी आबादी का एक तिहाई हिस्सा है।

भारत में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जिसके विभाग को सौ प्रतिशत भ्रष्टाचार से मुक्त कहा जा सकता है। राज्यों में चाहे किसी भी दल की सरकारें हों, हर पार्टी सत्ता में आने के बाद यही दावा करती है कि भ्रष्टाचार को जड़मूल से मिटाया जाएगा। सत्ता में आते ही यह वादा हवा हो जाता है। जब कभी कोई भ्रष्ट कार्मिक पकड़ा जाता है, तब सरकार यही दावा करती है कि किसी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा, किन्तु यह दावा कभी नहीं करती कि जिस विभाग का आरोपी पकड़ा गया है, वह विभाग अब पूरी तरह से भ्रष्टाचार से मुक्त हो चुका है।

देश में भ्रष्टाचार, गरीबी और भुखमरी के बीच नेताओं की बढ़ती हुई सम्पत्ति में बेशक सीधा कोई संबंध न हो किन्तु सवाल तो उठना लाजिमी है। यक्ष प्रश्न यही है कि करोड़ों की आबादी के पास दो वक्त का खाना नहीं है तो नेताओं की सम्पत्ति आखिर कैसे बढ़ रही है। ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं है, जिनके आर्थिक हैसीयत राजनीति में आने से पहले आम लोगों जैसी थी, किन्तु जनप्रतिनिधि और मंत्री बनते ही उनकी सम्पत्ति में उछाल आ गया। देश में जब तक गरीबी, बेरोजगारी और भुखमरी जैसी समस्याएं रहेंगी तब तक नेताओं की सम्पत्ति देशहित के दावों की धज्जियां उड़ाती रहेंगी।

– **योगेंद्र योगी**

नागा साधु बनने के लिए देनी पड़ती है ऐसी कठिन परीक्षा, खुद का करते हैं पिंडदान

क्या आप जानते हैं कि कोई व्यक्ति नागा साधु कैसे बन सकता है और उसको नागा साधु बनने के लिए किन नियमों का पालन करना होता है। अगर आपका जवाब नहीं है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 को महाकुंभ मेले की शुरूआत होने जा रही है। वहीं महाकुंभ मेले का समापन 26 फरवरी 2025 को होगा। इस दौरान सभी अखाड़ों के साधु-संत महाकुंभ में शामिल होंगे। बड़ी

संख्या में नागा साधु कुंभ के मेले में स्नान करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कोई व्यक्ति नागा साधु कैसे बन सकता है और उसको नागा साधु बनने के लिए किन नियमों का पालन करना होता है। अगर आपका जवाब नहीं है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि नागा साधु बनने के लिए व्यक्ति को किन कठिन परीक्षाओं से गुजरना होता है।

बता दें कि जब कोई व्यक्ति अखाड़े के सामने नागा साधु बनने की इच्छा जाहिर करता है, तो अखाड़ा समिति उस व्यक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त करता है कि क्या वह व्यक्ति नागा साधु बनने के योग्य है या नहीं। उस व्यक्ति के जीवन से जुड़ी सभी जानकारी प्राप्त करने के बाद उसको अखाड़ा समिति में शामिल किया जाता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नागा साधु बनने के लिए जातक को कई तरह की कठिन परीक्षाओं का सामना करना पड़ता है। नागा साधु बनने के लिए ब्रह्मचर्य के नियम का पालन करना पड़ता है। इस परीक्षा को पास करने के बाद उस व्यक्ति को पंच देव से दीक्षा प्राप्त करनी होती है। शिव, विष्णु, शक्ति, सूर्य और गणेश भगवान को पंच देव कहा जाता है।

नागा साधु बनने वाला व्यक्ति सांसारिक जीवन का त्याग कर देता है और नागा साधु वाले जीवन में प्रवेश करने के लिए खुद का पिंडदान भी करना पड़ता है। वहीं जो भोजन भिक्षा में मिलता है, उसी का सेवन करना पड़ता है। वहीं अगर किसी दिन नागा साधु को भिक्षा नहीं मिलती है, तो उसे बिना भोजन के रहना पड़ता है।

व्यक्ति को नागा साधु बनने के बाद जीवन में कभी भी कपड़े नहीं धारण करने होते हैं। क्योंकि वस्त्र आडंबर और सांसारिक जीवन का प्रतीक माना जाता रहे। इसी वजह से नागा साधु अपने शरीर को ढकने के लिए भस्म लगाते हैं।

वहीं नागा साधु कभी भी किसी के सामने अपना सिर नहीं झुकाते और न किसी की निंदा करते हैं। यह सिर्फ बड़े सन्यासियों के सामने अपना सिर झुकाते हैं। इन सभी नियमों का पालन करने के बाद ही व्यक्ति नागा साधु कहलाता है।

– **अनन्या मिश्रा**

शाही स्नान की तिथियां

13 जनवरी 2025 – पहला शाही स्नान
14 जनवरी 2025 – मकर संक्रांति
29 जनवरी 2025 – मौनी अमावस्या
3 फरवरी 2025 – बसंत पंचमी
12 फरवरी 2025 – माघी पूर्णिमा
26 फरवरी 2025 – महाशिवरात्रि

राशिफल

पौष शुक्ल पक्ष नवमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

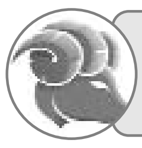

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी। शुभ समय रहेगा। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे

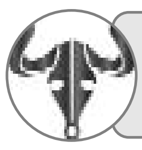

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता रहेगी। प्रेम-संतान मध्यम। व्यापार ठीक है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ है।

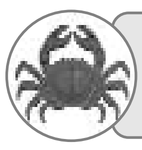

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान मध्यम।

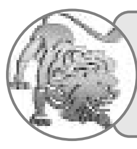

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा है।

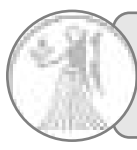

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम है।

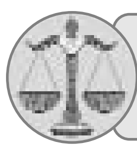

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

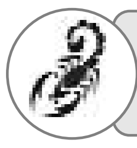

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य थोड़ा परेशानी भरा रहेगा।

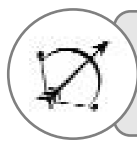

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य ठीक ठाक। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा है।

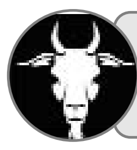

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी होगी। स्वास्थ्य , प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा है।

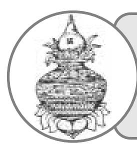

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार। भाग्य साथ देगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
धनार्जन होगा। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम और संतान का साथ है। व्यापार भी अच्छा है।

संविधान गौरव अभियान को लेकर हुई भाजपा की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी की एक बैठक संविधान गौरव अभियान के कार्यक्रमों को लेकर भाजपा जिला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने की तथा संचालन जिला महामंत्री योगेश चौधरी ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने कहा कि भारत के संविधान को 75 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, जिसे लेकर भाजपा पूरे देश में 11 जनवरी से 25 जनवरी तक प्रत्येक मंडल में संविधान गौरव अभियान को उत्सव के रूप में मनाएगी।

संविधान अभियान का उद्देश्य भारत के संविधान में निहित मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाना एवं संविधान समिति के अध्यक्ष भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर जी को याद करना है।

जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि भारत का संविधान गौरवशाली है, इसमें सभी नागरिकों के हित सुरक्षित हैं और भारत के विकास की कल्पना की गई है। इस अवसर पर जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, धर्मेंद्र कोरी, योगेश चौधरी, मनोज गर्ग, जिला उपाध्यक्ष सेवानंद शर्मा, सतेंद्र नागर, पवन नागर, पवन रावल, राहुल पंडित, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, जिला मंत्री सत्य पाल शर्मा, गुरुदेव भाटी, मंडल अध्यक्ष महेश शर्मा, मनोज भाटी, संजय भाटी, राजीव सिंघल, दिनेश भाटी, राज नागर, अमित शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अधिकारियों के साथ हुई किसानों की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तीनों प्राधिकरणों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी व जिला प्रशासन के साथ संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल की एक लंबी मैराथन बैठक हुई। बैठक के दौरान अधिकारियों ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए कहा कि आज ही मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली में किसानों के संबंध में वार्ता होगी और आने वाली 13 जनवरी को पुनः संयुक्त किसान मोर्चा के साथ बैठक कर समस्याओं के समाधान हेतु रूपरेखा तैयार कर लखनऊ स्तर पर आपकी वार्ता कराई जाएगी। जिससे जल्द ही किसानों के सभी मुद्दे हल हो सकें।

अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। किसान संघर्ष मोर्चा एवं अखिल भारतीय किसान सभा, भारतीय किसान परिषद, किसान एकता संघ के सैकड़ों नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष उमेश भाटी, पूर्व सचिव धीरेंद्र भाटी, वर्तमान अध्यक्ष परमेंद्र भाटी एवं वर्तमान सचिव अजीत नागर का किसान आंदोलन में सहयोग करने के लिए पगड़ी बांधकर और फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम का संचालन बार सचिव अजीत नागर ने किया। उपस्थित अधिवक्ताओं एवं किसानों को संबोधित करते हुए सोरन प्रधान ने कहा कि हम वकीलों का आभार प्रकट करते हैं। वकीलों ने जेल जाने के दौरान किसानों की बेहिसाब मदद की और उनके आंदोलन को हड़ताल करके समर्थन दिया। किसान हमेशा वकीलों के आभारी रहेंगे।

बार के पूर्व अध्यक्ष उमेश भाटी ने कहा कि हम हमेशा किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। बार के वर्तमान अध्यक्ष परमेंद्र भाटी ने कहा कि किसान आंदोलन पूरे जिले का आंदोलन है। वकील भी किसानों के ही बच्चे हैं। वर्तमान बार किसानों के साथ हर आंदोलन में और हर मुसीबत में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी। भारतीय किसान परिषद के सुखबीर खलीफा ने कहा कि किसानों के आबादी, नए कानून एवं अन्य प्रकरणों पर सरकार और प्राधिकरण के साथ लगभग सहमति बन गई है। 10 प्रतिशत के मुद्दे पर तीनों प्राधिकरण से प्रस्ताव पास होकर शासन के अनुमोदन के लिए लंबित है, जिस पर लगातार संघर्ष जारी रहेगा। किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने कहा कि आंदोलन लगातार जारी रहा है और संघर्ष के कारण बहुत सारे मुद्दे हल हुए हैं। बाकी बचे मुद्दों को भी हल करके ही दम लेंगे।

भाजपा सरकार में सभी वर्ग परेशान : भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर मंगलवार को पार्टी की मासिक बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक का संचालन जिला महासचिव सुधीर तोमर ने किया। बैठक में पीडीए जागरूकता चर्चा अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि भाजपा के शासन काल में जनता के हितों कि अनदेखी कि जा रही है। आज गरीब, मजदूर, किसान, व्यापारी सभी परेशान है, लेकिन ये तानाशाह सरकार किसी की नहीं सुन रही है।

भाजपा का जनता की समस्याओं से कोई लेना- देना नहीं है। वह तो केवल अपने राजनैतिक हित के लिए जनता को गुमराह करने का काम करती है। भाजपा सरकार द्वारा पिछड़े और दलितों के हक छीनने का काम किया जा रहा है। सरकार आरक्षण को खत्म करने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली और विकास करने वाली पार्टी है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों एवं शोषित वर्ग की आवाज को बुलंद कर रहे हैं।

बैठक में मुख्य रूप से वीर सिंह यादव, फकीरचंद नागर, डॉ महेंद्र नागर, सुनील भाटी देवटा, कृशान्त भाटी, रामसरन नागर एडवोकेट, मनोज भाटी बोड़ाकी, कृष्णा चौहान, लाल सिंह गौतम, रोहित मत्ते गुर्जर, मिंटी खारी, सुनीता यादव, शशि यादव, अजय चौधरी, अमित रौनी, अक्षय सिंह भाटी, शौकत अली, गौरा जाटव, प्रवीण भाटी, जुगती सिंह, सुनील बदौली, विनोद लोहिया, दीपक नागर, मोहित नागर, नवीन भाटी, हैप्पी पंडित, लोकेश भाटी, गजेन्द्र यादव, दीपक देवटा, अनीस अहमद, सीपी सोलंकी, विष्णु सिंह, विक्रम टाईगर, कुलदीप भाटी, सत्यप्रकाश नागर, अनिल प्रजापति, सुभाष भाटी, विपिन कसाना, तेजपाल तोमर, समय भाटी, पवन जोगी, समीर भाटी, दिशू भारद्वाज, ममता यादव, चौधरी हर्ष मुकद्दम, लखन जाटव, राहुल चौधरी, हरेन्द्र भाटी, जाकिर मुनिरी, अंजलि श्रीवास्तव, रिजवान हैदर, कपिल गुर्जर, दीपक सैन, सुमित भाटी, दिगंबर सिंह, सतीश कुमार, बालेश्वर बाल्मीकि, रीनू शर्मा, अमृता राय, शिमला सागर, अशोक कुमार, सुभाष चंद, पप्पन भाटी आदि मौजूद रहे।

फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रैन बसेरों में कराया जा रहा है शिफ्ट

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप शीत लहरी एवं ठंड को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से सुरक्षित रखने हेतु डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरों का संचालन, अलाव तथा अन्य राहत कार्य कराये जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर मजिस्ट्रेट नोएडा विवेकानंद मिश्रा ने नोएडा में रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया और उनको बताया कि जिला प्रशासन की ओर से जनपद में रैन बसेरे बनाए गए हैं, आप खुले आसमान या सड़क किनारे फुटपाथ पर न सोए।

उन्होंने आम जनमानस से भी अपील करते हुए कहा कि यदि उनको भी कोई व्यक्ति खुले आसमान में सड़क किनारे फुटपाथ पर सोता हुआ मिले तो, उसको रैन बसेरे के संबंध में बताएं कि वह ऐसे खुले में ना सोकर जिला प्रशासन द्वारा संचालित किये जा रहे रैन बसेरों में प्रवास कर सकते हैं। साथ ही इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरित किए। नगर मजिस्ट्रेट नोएडा ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के नेतृत्व में इसी प्रकार से रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे या खुले आसमान में सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया जाएगा

नवनिर्वचित मण्डल अध्यक्षों का हुआ स्वागत

भदोही (ज्ञानपुर)। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में कल जिला कार्यालय ज्ञानपुर में नवनिर्वाचित 15 मंडल अध्यक्षों का सम्मान किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खादी ग्राम उद्योग आयोग के सदस्य नागेन्द्र रघुवंशी उपस्थित रहे इसके पूर्व भाजपा कार्यालय में एक संगोष्ठी हुई जिसमें मुख्य अथीत नागेन्द्र रघुवंशी ने कहा कि 11 जनवरी से लेकर 25 जनवरी तक हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान के अंतर्गत यह कार्यक्रम किया जाएगा। जिसमें सभी मंडलों में यह कार्यक्रम संपन्न होगा। सभी कार्यकर्ता वह वक्ता निर्धारित किए जा चुके हैं इसमें पूरी तरह से कांग्रेस का काला चिट्ठा खोला जाएगा। कांग्रेस अपने समय में कई बार संविधान में परिवर्तन किया था लेकिन भारतीय जनता पार्टी हमेशा संविधान के नियम का पालन किया है यह तमाम सारी विषय हमारे पदाधिकारी हर मंडलों में जाकर के बताने का काम करेंगे इसी क्रम में जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी संविधान का हमेशा भारतीय सम्मान किया है और आगे भी करेगी जिस तरह से लोकसभा चुनाव में सपा बसपा मानसिकता के लोग घिनौना कार्य किया था।

अपवाह को फैलाया था वह गलत था जिसे मैं घोर निंदा करता हूं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश दुबे, संतोष तिवारी, अभय राज सिंह, ललिता प्रसाद, सोनकर, सप्तशती गुप्ता, प्रदीप सिंह, गोवर्धन राय, छत्रपति सिंह, रीना श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष मनीष पांडेय, शिवम तिवारी, लक्ष्मी शंकर मिश्रा, गोरेलाल पांडेय, अखिलेंद्र प्रताप सिंह, चिंटू स्नेह लता श्रीवास्तव, पूनम गुप्ता, आरती सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

महाकुंभ के लिए स्टील...

भेजे जा रहे हैं। देश भर के हर जिले व शहर से लोगों के सहयोग से थालियां व थैले कुंभ भेजे जा रहे हैं। उन्होंने अपील की जो लोग महाकुंभ के लिए थालियां व थैले देना चाहते हैं वे सनातन धर्म मंदिर में जमा कर सकते हैं।

सम्भल मस्जिद पर...

बुधवार को सिविल जज सीनियर डिवीजन चंदौसी की अदालत में जामा मस्जिद के अधिवक्ता शकील वारसी ने न्यायालय में सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर की कॉपी पेश की। इसके बाद न्यायालय ने सुनवाई करते हुए अगली तारीख पांच मार्च नियत कर दी। इस दौरान जिला न्यायालय पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस और पीएसी तैनात रही।

यूपी पुलिस में...

पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ बनाया गया है। इसके अलावा अमृता मिश्रा को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, लखनऊ की जिम्मेदारी मिली है। वहीं मायाराम वर्मा को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, प्रशिक्षण विद्यालय, सुल्तानपुर से पुलिस अधीक्षक, प्रशिक्षण विद्यालय, सुल्तानपुर बनाया गया है।

डॉ. धर्मवीर सिंह को पुलिस उपमहानिरीक्षक/ सेनानायक 06वीं वाहिनी पीएसी, मेरठ से पुलिस उपमहानिरीक्षक/सेनानायक 6वीं वाहिनी पीएसी, मेरठ की जिम्मेदारी मिली है। अजय कुमार को प्रभारी अपर पुलिस आयुक्त, मुख्यालय पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर से अपर पुलिस आयुक्त, मुख्यालय पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में तैनाती मिली है।

डॉ अरविंद चतुर्वेदी को पुलिस उपमहानिरीक्षक पुलिस अधीक्षक सतर्कता, अधिष्ठान, लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक सतर्कता, अधिष्ठान, लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं दिनेश सिंह को पुलिस उपमहानिरीक्षक पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0, लखनऊ से सम्बद्ध पुलिस कमिश्नरेट, गाजियाबाद, (मेडिकल ट्रीटमेन्ट) से पुलिस उपमहानिरीक्षक, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0, लखनऊ से सम्बद्ध, (मेडिकल ट्रीटमेन्ट) दिया गया है।

इसके अलावा अरविंद कुमार मौर्य को पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक, यातायात निदेशालय, लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक, यातायात निदेशालय, लखनऊ की जिम्मेदारी मिली है। वहीं सुभाष चंध्र शाक्य को पुलिस उपमहानिरीक्षक / पुलिस अधीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं, लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं, लखनऊ की जिम्मेदारी मिली है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खतरे में नायब सैनी की सरकार! हरियाणा में होगी ईवीएम की चेकिंग, उलटफेर हुआ तो कांग्रेस होगी नैया पार

चंडीगढ़, **एजेंसी** । हरियाणा विधानसभा चुनाव कांग्रेस की लहर होने के बाद भाजपा ने अंतिम दौर में चुनाव पलट दिया था। ये हार कांग्रेस के किसी नेता को हजम नहीं हुई। कांग्रेस नेताओं ने ईवीएम पर सवाल उठाए और चुनाव आयोग के सामने अपना विरोध दर्ज कराया। करीब 20 से 22 सीटों पर ईवीएम की बैटरी विवादों में रही। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने लिखित में चुनाव आयोग को शिकायत देते हुए कहा कि जिन सीटों पर ईवीएम की बैटरी 99 प्रतिशत चार्ज रही। उस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार हार गए। वहीं इसके उलट जिन सीटों पर बैटरी 60 या 70 प्रतिशत रही वहां से जीत गए।

कांग्रेस की शिकायतों पर चुनाव आयोग ने अपना जवाब दिया। राजीव कुमार की तरफ से दिए गए जवाब में कहा गया कि हरियाणा चुनाव में कोई भी गड़बड़ी के संकेत नहीं मिले है। ऐसे में नेताओं को नाजुक समय में सोच समझ कर बयान देना चाहिए। वहीं अब नई सरकार के गठन के बाद सिरसा जिले की रानियां विधानसभा सीट पर ईवीएम और बैलेट बॉक्सों का दोबारा मिलान किया जाएगा। यहां से पूर्व मंत्री रणजीत चौटाला चुनाव हारे हैं। इसे लेकर कांग्रेस के उम्मीदवार रहे सर्वमित्र कंबोज ने अपील की थी। जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ से कांग्रेस नेता की अपील को स्वीकार करते हुए नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। यह मिलान 9 जनवरी से 13 जनवरी तक होगी। हालांकि, इस दौरान केवल 9 बूथों के बैलेट पेपर और ईवीएम की ही चेकिंग की जाएगी। रनिया विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सर्वमित्र कंबोज 4191 वोटों के मार्जिन से हारे थे। इस सीट से इनेलो के उम्मीदवार अर्जुन चौटाला ने जीत दर्ज की थी। यदि इस सीट पर कोई भी उलटफेर हुआ तो भाजपा की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। ऐसे में कांग्रेस उन 20 सीटों पर दोबारा फीस जमा कर ईवीएम की चेंकिग करा सकती है। ऐसे में नायब सैनी सरकार खतरे में आ जाएगी।

आज मंगलवार को सिरसा जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से इसे लेकर नोटिस जारी किया गया है। चेकिंग 9 जनवरी से 13 जनवरी के बीच सिरसा के ट्रैफिक पार्क के नजदीक वेयरहाउस में सुबह 10 बजे से की जाएगी।

दिल्ली का चुनाव विकास बनाम विनाश की लड़ाई : भाजपा

नई दिल्ली, **एजेंसी** । भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ ने कहा कि दिल्ली का चुनाव विकास बनाम विनाश की लड़ाई है। भाजपा दिल्ली को विकास की दिशा में ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि आम आदमी पार्टी (आआपा) ने पिछले 11 वर्षों में दिल्ली को बर्बाद करने का काम किया है। देश के लोकतंत्र में पहली बार ऐसा हुआ है कि मुख्यमंत्री और मंत्री जेल से सरकार चला रहे हैं। आप का एजेंडा सिर्फ झूठे वादे करना और भ्रष्टाचार में लिप्त रहना है। केजरीवाल ने दिल्ली में शराब घोटाला किया, जिससे परिवार तबाह हुए और छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो गया।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री चुघ मंगलवार को दिल्ली में आयोजित दलित स्वाभिमान सम्मेलन में को सम्बोधित कर रहे थे। चुघ ने आआपा की नीतियों और उसके भ्रष्टाचार पर तीखा प्रहार किया। चुघ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाले में अपराधी माना और इस पूरे घोटाले का किंगपिन बताया। चुघ ने आआपा सरकार और केजरीवाल की यमुना सफाई के झूठे वादों और असफलताओं को उजागर किया।

उन्होंने कहा कि 11 साल से वादे किए गए, लेकिन नतीजा शून्य रहा। दिल्ली को गैस चैंबर बनाने का आरोप लगाते हुए चुग ने कहा कि मोदी सरकार की आयुष्मान योजना को लागू न करके केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को 5 लाख के मुफ्त बीमा से वंचित कर दिया। कोरोना के दौरान भी आप सरकार ने जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा में अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए।

खास खबर

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों ने 10 किलो के आईईडी को किया डिफ्यूज

सुकमा, **एजेंसी** । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के कोंटा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोंटा-गोलापल्ली रोड में बेलपोच्चा के समीप नक्सलियों के लगाए गए 10 किलोग्राम क्षमता के आईईडी बम को सुरक्षाबलों ने मंगलवार को बरामद किया। जवानों ने आईईडी बम को सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया। सीआरपीएफ और जिला पुलिस बल की एक संयुक्त टीम सुकमा जिले के कोंटा थाना क्षेत्र के कोंटा गोलापल्ली रोड के बेलपोच्चा के पास सर्चिंग पर निकली हुई थी। इस दौरान जवानों ने इस सड़क से डिमाइनिंग करते 10 किलो एक आईईडी बम बरामद किया। उक्त आईईडी बम को नक्सलियों ने फ़ोर्स के जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए यहां प्लांट कर रखा था। जवानों की सूझबूझ के चलते एक बड़ी घटना टल गई। बम बरामद करने के बाद फ़ोर्स ने तत्काल ही मौके पर उक्त आईईडी बम को निष्क्रिय कर दिया। कोंटा एएसपी आकाश राव ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को फ़ोर्स को बड़ी सफलता मिली है। फोर्स के जवानों ने नक्सलियों के नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया है। सर्चिंग के दौरान जवानों ने नक्सलियों द्वारा फ़ोर्स को नुकसान पहुंचाने के लिए प्लांट किए गए 10 किलो वजनी एक आईईडी बम बरामद कर मौके पर आईईडी डिफ्यूज कर दिया।

असम: उमरांग्सू खदान बचाव कार्य में नौसेना के गोताखोर तैनात

डिमा हसाओ (असम) **एजेंसी** । असम के डिमा हसाओ जिले में कोयला खदान में फंसे खनन श्रमिकों को बचाने के लिए भारतीय सेना और नौसेना ने प्रयास तेज कर दिए हैं। बढ़ते जलस्तर, जो अब 100 फीट के करीब पहुंच गया है, उसने असम-मेघालय सीमा के पास सुदूर 3 किलो क्षेत्र में चल रहे बचाव कार्यों के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। माना जा रहा है कि खदान के अंदर करीब 15 से 20 श्रमिक फंसे हुए हैं, जो भारी बाढ़ के बाद जलमग्न हो गई है। सेना के इंजीनियर टास्क फोर्स (ईटीएफ) के नेतृत्व में जारी बचाव अभियान खदान के सुदूर स्थान और कठिन भूभाग के कारण बाधित हुआ है। सहायता के लिए विशाखापत्तनम से नौसेना के गहरे गोताखोरों को बुलाया गया है। पानी के भीतर उन्नत बचाव उपकरणों से लैस, गोताखोरों के जल्द ही मिशन में शामिल होने की उम्मीद है। भारतीय सेना ने बाढ़ग्रस्त खदान के अंदर खतरनाक परिस्थितियों से निपटने के लिए 32 असम राइफल्स पाथफाइंडर यूनिट और पैरा गोताखोरों सहित विशेष टीमों को भी तैनात किया है। वास्तविक समय का आकलन और रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए वरिष्ठ सेना अधिकारियों द्वारा हवाई सर्वेक्षण किया गया है। गोताखोरों, सैपर्स और तकनीकी विशेषज्ञों से बनी संयुक्त बचाव टीम फंसे हुए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग कर रही है। चुनौतियों के बावजूद, सेना और नौसेना बचाव अभियान के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे मिशन के आगे बढ़ने पर सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। ज्ञात हो कि सोमवार सुबह उमरांग्सू से 25 किमी दूर असम-मेघालय के 3 किलो इलाके में स्थित 300 फुट गहरी कोयले की खदान में काम कर रहे श्रमिक उस समय फंस गये, जब अचानक खदान में पानी भर गया। फंसे श्रमिकों के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है।

रेल मंत्री ने भारत सरकार का आधिकारिक कैलेंडर किया लॉन्च

नई दिल्ली **एजेंसी** । रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन ने मंगलवार को दिल्ली के रेल भवन में भारत सरकार का आधिकारिक कैलेंडर लॉन्च किया। इस नए कैलेंडर में साल भर की महत्वपूर्ण तिथियां, कार्यक्रम हैं, जिससे नागरिकों को देश के राजनीतिक और प्रशासनिक एजेंडे के बारे में व्यापक जानकारी मिलेगी। इस अवसर पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्ष के कैलेंडर की थीम जनभागीदारी से जनकल्याण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबका साथ सबका विकास पर विश्वास करते हैं। प्रधानमंत्री के विजन और कार्यक्रमों से लोगों के जीवन में जो बड़ा बदलाव आया है वह इस कैलेंडर में दिखाई पड़ता है। प्रौद्योगिकी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, सांस्कृतिक विरासत, खिलाड़ियों, गरीब कल्याण, महिलाओं और गरीबों के लिए किये गये काम शामिल हैं।

जिल बाइडेन को हीरे देने तक ही रह गई कूटनीति, ओवैसी का पीएम पर तंज

हैदराबाद, **एजेंसी** । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने चीन नीति को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी नीत एनडीए सरकार पर मंगलवार को निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या पूर्वी लद्दाख के गलवान में गश्त के अधिकार को 'बहाल' करने की कोई योजना है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की कूटनीति केवल जिल बाइडेन को महंगे हीरे गिफ्ट करने तक रह गई है। उन्होंने दावा किया कि दो काउंटी के गठन को लेकर चीन के समक्ष भारत सरकार का हालिया विरोध तथा ब्रह्मपुत्र पर नये बांध पर 'पुनर्विचार करने के अनुरोध' का असर पड़ोसी देश पर नहीं होगा। ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, 'क्या हमारे पास गलवान, हॉट स्प्रिंग, गोगरा, पैंगोंग और कैलाश रेंज में अपने सैनिकों के लिए गश्त के अधिकार बहाल कराने की कोई योजना है? क्या हमने पूर्वी लद्दाख में अप्रैल 2020 की यथास्थिति बहाल करने की उम्मीद पूरी तरह छोड़ दी है।' उन्होंने आरोप लगाया कि न केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा पूरी तरह से कुप्रबंधन का शिकार है, विशेष रूप से मणिपुर और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में, बल्कि समान रूप से चिंताजनक बात यह भी है कि 'भारत की बाह्य सुरक्षा का भी कुप्रबंधन हो रहा है', जहां सशस्त्र बलों के राजनीतिकरण के निरंतर प्रयासों से स्थिति और खराब होने की आशंका है।

समीक्षा के बाद स्वास्थ्य सचिव का दावा भारत में सांस संबंधी बीमारियों में उछाल नहीं

नई दिल्ली, **एजेंसी** । केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने मंगलवार को वर्चुअल मोड में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें भारत में श्वांस संबंधी बीमारियों की समीक्षा की गई। बैठक में चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) मामलों में उछाल की मीडिया रिपोर्टों के बाद एचएमपीवी मामलों की स्थिति और उनके प्रबंधन के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की समीक्षा की गई। बैठक में डॉ. राजीव बहल, सचिव (डीएचआर); डॉ. (प्रो) अतुल गोयल, डीजीएचएस; राज्यों के स्वास्थ्य सचिव और अधिकारी, एनसीडीसी, आईडीएसपी, आईसीएमआर, एनआईवी और आईडीएसपी की राज्य निगरानी इकाइयों के विशेषज्ञ शामिल हुए।

स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि एचएमपीवी से जनता के लिए चिंता का कोई कारण नहीं है। यह वायरस 2001 से वैश्विक स्तर पर मौजूद है। उन्होंने राज्यों को आईएलआई/एसएआरआई निगरानी को मजबूत करने और समीक्षा करने की सलाह दी। उन्होंने दोहराया कि आमतौर पर सर्दियों के महीनों में श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि देखी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि देश श्वसन संबंधी बीमारी के मामलों में किसी भी संभावित उछाल के लिए अच्छी तरह से तैयार है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) कई श्वसन वायरस में से एक है जो सभी उम्र के लोगों में विशेष रूप से सर्दियों और शुरुआती वसंत के महीनों में संक्रमण का कारण बन सकता है।

एचएमपीवी कई श्वसन वायरस में से एक है जो सभी उम्र के लोगों में विशेष रूप से सर्दियों और शुरुआती वसंत के महीनों के दौरान संक्रमण का कारण बन सकता है। वायरस का संक्रमण आमतौर पर हल्का और स्व-सीमित स्थिति होता है और अधिकांश मामले अपने आप ठीक हो जाते हैं। आईसीएमआर-वीआरडीएल प्रयोगशालाओं के पास पर्याप्त नैदानिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। राज्यों को वायरस के संचरण की रोकथाम के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने की सलाह दी गई। इसमें साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोना; बिना धुले हाथों से अपनी आँखें, नाक या मुँह को छूने से बचना।

दिल्ली की सीएम आतिशी का केंद्र पर हमला तीन महीने में मुझे दूसरी बार बेघर किया गया

नई दिल्ली, । दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने आज यहां केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने पत्रकार वार्ता में दावा किया कि उन्हें जो मुख्यमंत्री आवास (6 फ्लैग स्टाफ रोड) मिला है, उसका अलॉटमेंट केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली सरकार ने रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा, हमारा घर छीना जा रहा है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से ऐन एक रात पहले ऐसा हुआ। तीन महीने में ये दूसरी बार है, जब मुझे आधिकारिक आवास से बाहर कर दिया गया है।

आज एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री आतिशी ने दावा किया कि पिछली रात ही केंद्र सरकार ने मुझे सरकारी आवास (सीएम आवास) से तीन महीने में दूसरी बार बेदखल कर दिया। चिट्ठी भेजकर सीएम आवास का अलाटमेंट कैंसल कर दिया। तीन महीने पहले भी यही किया गया था। जब मैं सीएम बनी तो उस समय भी मेरे परिवार का सामान घर से निकाल कर सड़क पर फेंक दिया था। उन्होंने कहा कि अगर वो (भाजपा) लोग यह सोचते हैं कि मुझसे घर छीनने, मेरा सामान सड़क पर फेंक देने और मेरे परिवार के लोगों को गालियां देने से दिल्ली वालों का काम करने से मुझे रोक देंगे तो वो ऐसा करके मेरा जज्बा कम नहीं कर सकते हैं। जरूरत पड़ेगी तो मैं दिल्ली के किसी भी नागरिक के घर में जाकर रह लूंगी और वहीं से दिल्ली वासियों के हितों के लिए काम करूंगी।

आतिशी ने कहा कि तीन महीने पहले मेरा सामान सड़क पर फेंका गया। उसके बाद मैंने दिल्ली में सड़कें, अस्पताल और स्कूल आदि बनवाए और महिलाओं को सम्मान योजना दिलवाई। आज जब मुझे फिर से सीएम आवास से निकाला है तो मैं प्रण ले रही हूं कि सरकार बनने पर दिल्ली की प्रत्येक महिला को 2100 रुपये दिलवाकर और हर बुजुर्ग को संजीवनी योजना में चिकित्सा सुविधा और पुजारियों और ग्रंथियों को 18 हजार रुपये मासिक दिलवाकर रहूंगी।

हालांकि, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री आतिशी ने 6 फ्लैग स्टाफ रोड (सीएम आवास) पर भौतिक कब्जा नहीं लिया है। विभाग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार बार-बार याद दिलाने के बाद भी आतिशी घर में शिफ्ट नहीं हुईं। विभाग ने कहा कि आतिशी के अनुरोध पर घर में बदलाव किए गए लेकिन वह घर में शिफ्ट नहीं हुईं, जिसके बाद घर का आवंटन रद्द कर दिया गया। विभाग ने आगे दावा किया कि नियमों के अनुसार यदि आवंटित घर रहने योग्य होने का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पांच दिनों के भीतर आवंटी घर में स्थानांतरित नहीं होता है, तो घर का आवंटन स्वत: रद्द हो जाता है।

इससे पहले भी पीडब्ल्यूडी ने उन्हें कहा था कि चूंकि उक्त मकान विभिन्न उल्लंघनों के लिए सीबीआई/अन्य एजेंसियों की जांच के अधीन है, इसलिए आवंटी को सलाह दी जाती है कि वे जांच में पूर्ण सहयोग प्रदान करें, जैसा कि आवश्यक हो।

आतंकवाद और कट्टरपंथ से निपटने पर सहमत हुए भारत - मलेशिया

नई दिल्ली, **एजेंसी** । भारत और मलेशिया ने आधिकारिक स्तर की पहली सुरक्षा वार्ता में आतंकवाद और कट्टरपंथ से निपटनें के लिए सहमति जताई है।

यहां मंगलवार को सुरक्षा वार्ता की सह-अध्यक्षता भारत के राष्टीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और मलेशिया की राष्टीय सुरक्षा परिषद के महानिदेशक राजा दातो नुशीरवान बिन जैनल आबिदीन ने की। दोनों देशों ने आपसी संबंधों को लेकर छह समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि सुरक्षा वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण पर विचारों का आदान-प्रदान किया और सुरक्षा, रक्षा और समुद्री क्षेत्रों में चल रहे द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। दोनों पक्ष आतंकवाद और कट्टरपंथ से निपटने, साइबर सुरक्षा, रक्षा उद्योग और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को बढ़ाने पर सहमत हुए। उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ पृथ्वी में सहयोग बढ़ाने के तरीकों की भी खोज की। वार्षिक बैठकें आयोजित करके वार्ता को संस्थागत बनाने पर सहमति बनी। दरअसल, यह सुरक्षा वार्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर अगस्त 2024 में मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर इब्राहिम की भारत यात्रा का परिणाम है। इस यात्रा के दौरान भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया तथा दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल अगस्त में मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर इब्राहिम पहली बार भारत यात्रा पर आए थे। उस समय जब वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नई दिल्ली में मिले थे, तब उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार और क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा की। मोदी-इब्राहिम वार्ता का मुख्य फोकस व्यापार और निवेश का विस्तार करना और नए और उभरते क्षेत्रों में सहयोग तलाशना था। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था हमने तय किया है कि भारत-मलेशिया साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में सहयोग की काफी संभावनाएं हैं। अपने उस दौरे में मलेशिया के प्रधानमंत्री इब्राहिम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दोस्त और भाई बताया था। मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर इब्राहिम के भारत दौरे के समय दोनों प्रधानमंत्रियों के समक्ष आपसी संबंधों को लेकर छह समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। इसमें एक समझौता मलेशिया में भारतीय मजदूरों को रोजगार के ज्यादा अवसर देने व उन्हें बेहतर समाजिक-आर्थिक सुरक्षा देने को लेकर किया गया था।

पाकिस्तान से 'बाल सैनिक' के रुप में युद्ध लड़ने वाले हवलदार बलदेव सिंह का निधन

नई दिल्ली, । देश के बंटवारे के समय 1947-48 में पाकिस्तान के साथ युद्ध में बाल सैनिक के रूप में शामिल होने वाले योद्धा 93 वर्षीय हवलदार बलदेव सिंह का निधन हो गया।

अंतिम संस्कार मंगलवार को उनके गांव में पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर के जीओसी और सभी रैंक के अधिकारियों ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। राष्ट्र के लिए उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और 2021 में नरेन्द्र मोदी ने उन्हें सम्मानित किया था।

पाकिस्तान के खिलाफ चार युद्ध लड़ने वाले वयोवृद्ध सैनिक हवलदार (सेवानिवृत्त) बलदेव सिंह का 93 वर्ष की उम्र में जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के गृहनगर नौशेरा में सोमवार को उनके आवास पर निधन हो गया। पाकिस्तान के साथ युद्ध के इस महान नायक का जन्म नौनिहाल गांव में 27 सितंबर, 1931 को हुआ था। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने 1947-48 में नौशेरा और झंगर की लड़ाई के दौरान 50 पैरा ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर उस्मान के नेतृत्व में बाल सेना बल में शामिल होकर स्वेच्छा से काम किया था। बाल सेना 12 से 16 वर्ष की आयु के स्थानीय लड़कों का एक समूह था, जो पाकिस्तान के साथ युद्ध में भारतीय सेना के लिए %डिस्पैच रनर% के रूप में काम करता था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने युद्ध में शामिल होने वाले बाल सैनिकों में बलदेव सिंह को सम्मानित किया था। बाल सैनिक के रूप में भाग लेने के बाद वह 14 नवंबर, 1950 को भारतीय सेना में शामिल हो गए और 29 वर्षों तक वीरता के साथ सेवा की। इस दौरान वह 1961, 1962 और 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्धों में शामिल हुए।

महिला को प्रेग्नेंट करने के मिलेंगे 5 से 10 लाख, बिहार में चल रहा था गजब का खेला

पटना, **एजेंसी** । बिहार के नवादा में ठगी का एक चौंकाने वाला मामला आया है। जिसे पढ़कर आप जरुर हैरान हो जाएंगे। इस मामले में नवादा पुलिस ने 3 ठगों को गिरफ्तार किया, और पकड़े भी गए है आरोपी निसंतान महिलाओं को गर्भवती करने के बदले 5 से 10 लाख रुपए का लालच देते थे। ताकि जब कोई व्यक्ति उनके जाल में फंस जाए, तो वो उसे रजिस्ट्रेशन के नाम पर पैसे ऐंठ सके। इसके साथ ही नवादा एसपी अभिनव धीमान के कहने पर साइबर अपराधियों पर अब शिकंजा कसा गया है।

बता दें कि मुख्यालय डीएसपी इमरान परवेज ने गर्भवती मामले में बीते सोमवार को कहा है कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हो चुकी है। और नारदीगंज थाना क्षेत्र के कहुआरा गांव निवासी सुख सागर महतो के 20 साल का पुत्र भोला कुमार, भागीरथ प्रसाद के पुत्र 20 साल प्रिंस कुमार और गिरधारी प्रसाद के 19 का बेटा राहुल कुमार के रूप में हुई है। हलांकि आरोपी ऑल इंडिया प्रेग्नेंट जॉब और प्ले वॉइस सर्विस के नाम पर स्कैम करते थे।

खबरों के मुताबिक ये स्कैमर्स रजिस्ट्रेशन के नाम पर 500 रुपये से लेकर 20 हजार तक के रकम लेते थे। इसके साथ ही तलाशी के बाद आरोपितों के पास से 6 मोबाइल मिले और फोटो गैलरी, व्हाट्सएप चैट, ऑडियो रिकॉर्डिंग से फर्जी का खुलासा हुआ।

बता दें कि फेसबुक और व्हॉट्सऐप जैसे कई फेमस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के द्वारा यूजर्स को मैसेज दिया जाता था कि आपको एक हाई प्रोफाइल लड़की और कम उम्र की महिला को ही केवल प्रेग्नेंट करना है। इसके साथ ही ये भी कहते थे कि ये लड़की तलाकशुदा या फिर बड़े घर की हाउसवाइफ भी हो तो सही है। ये प्रेग्नेंट नहीं हो पाती हैं इसलिए उनकी एजेंसी से ये लोग ऐसे कॉन्टैक्ट करती हैं। इसके बाद एजेंसी कस्टमर से संपर्क करती है।

महिलाओ को प्रेग्नेंट करने के बाद 5 से 10 लाख रुपये मिलेंगे। और प्रेग्नेंट नहीं होने पर दिए गए पैसे वापस भी कर दिए जाएंगे। लोग ये विज्ञापन देखकर जब इन साइबर अपराधियों के झांसे में आ जाते हैं तो स्कैमर्स उनसे कहते है कि रजिस्ट्रेशन चार्ज देकर इसका फायदा लिया जा सकता है, और पैसे इसलिए तो लिए जा रहे हैं ताकि सीरियस कस्टमर समझ सके।

लोगों को मुफ्त देने के लिए पैसे हैं, जजों को सैलरी देने के लिए नहीं, केंद्र पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, **एजेंसी** । दिल्ली चुनावों से ऐन पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर गंभीर चिंता जताई है कि राज्यों के पास लोगों को मुफ्त सुविधाएं देने के लिए पर्याप्त पैसे हैं लेकिन जब जजों को सैलरी और पेंशन देने की बात आती है तो सरकारें यह कहती हैं कि वित्तीय संकट है। मंगलवार को जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस ए जी मसीह की खंडपीठ ने ये टिप्पणी तब की, जब देश के अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी ने कहा कि सरकार को न्यायिक अधिकारियों के वेतन और सेवानिवृत्ति लाभों पर निर्णय लेते समय वित्तीय बाधाओं पर विचार करना होगा।

ऑल इंडिया जजेज एसोसिएशन बनाम भारत संघ एवं अन्य से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने विशेष रूप से महाराष्ट्र सरकार की लाडली-बहना योजना और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे चुनावी वादों का हवाला देते हुए ऐसा कहा। बेंच ने कहा कि कोई 2100 रुपये तो कोई 2500 रुपये देने का वादा कर रहा है लेकिन जजों को वेतन और पेशन देने के लिए पैसे नहीं हैं।

जस्टिस संजीव खन्ना के बाद इसी साल सीजेआई बनने जा रहे जस्टिस गवई ने मौखिक रूप से टिप्पणी की, राज्य के पास उन लोगों के लिए खूब पैसा है, जो कोई काम नहीं करते हैं। जब हम वित्तीय बाधाओं की बात करते हैं तो हमें इस पर भी गौर करना चाहिए। चुनाव आते ही आप लाडली बहना और अन्य नई योजनाओं की घोषणा करते हैं, जिसमें आपको निश्चित राशि का भुगतान करना होता है। दिल्ली में अब किसी न किसी पार्टी ने घोषणा की है कि अगर वे सत्ता में आए तो 2500 रुपये का भुगतान करेंगे। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, खंडपीठ की टिप्पणी पर अटॉर्नी जनरल ने जवाब दिया कि मुफ्तखोरी की संस्कृति को एक विचलन माना जा सकता है लेकिन वित्तीय बोझ की व्यावहारिक चिंताओं को ध्यान में रखा ही जाना चाहिए। दरअसल, खंडपीठ ऑल इंडिया जजेज एसोसिएशन की 2015 की उस अर्जी पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि जजों को वेतन और सेवानिति लाभ समय पर नहीं मिल रहा है। याचिका में कहा गया है कि कई जजों को समय पर वेतन भुगतान से भी वंचिक होना पड़ रहा है।

मुस्लिमों समेत अन्य अल्पसंख्यकों पर भी कृपादृष्टि बरसाएं मीलॉर्ड!

तमिलनाडु और पुदुचेरी की बार काउंसिल ने देश के मुख्य न्यायाधीश और जजों का चयन करने वाले कॉलेजियम में शामिल न्यायाधीशों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे मद्रास हाई कोर्ट में जजों के रूप में पदोन्नति और नियुक्ति के मामले में मुस्लिमों, ईसाइयों समेत अन्य अल्पसंख्यकों और समाज के विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों पर भी कृपा पूर्वक विचार करें। वकीलों के संघ ने अपनी चिट्ठी में कहा है कि जजों का चयन कानूनी कौशल, ईमानदारी और बुद्धिमत्ता के आधार पर होना चाहिए ताकि हाई कोर्ट में सामाजिक-आर्थिक न्याय और सामाजिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए उचित नुमाइंदगी सुनिश्चित हो सके।

खनोरी बॉर्डर पर धरना दे रहे किसान नेता डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ी

चंडीगढ़, **एजेंसी** । पंजाब की सीमा पर धरना दे रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सोमवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। करीब तीन घंटे बाद वह सामान्य हुए। सोमवार को दिन के समय सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर कमेटी के सदस्यों ने खनोरी का दौरा करके डल्लेवाल से बातचीत की थी। बताया जाता है कि रात करीब 12 बजे जगजीत सिंह डल्लेवाल की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उनकी पल्स रेट 42 और ब्लड प्रेशर की अपर रेंज 80 और लोअर रेंज 56 तक आ गई। वहां मौजूद डॉक्टरों की टीम ने उनके हाथ-पैर दबाए और पानी पिलाया। डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलते ही मोर्चे पर मौजूद सभी किसान जाग गए। उन्होंने रात को ही डल्लेवाल की सेहत को लेकर सतनाम वाहेगुरु का जाप करना शुरू कर दिया। करीब तीन घंटे तक डाक्टरों ने डल्लेवाल की निगरानी की। इसके बाद उनकी हालत सामान्य हुई।

रोहित और कोहली का टेस्ट में भविष्य चयनकर्ताओं पर निर्भर: गावस्कर

सिडनी। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पिछले छह महीनों में टीम के खराब प्रदर्शन की गहन समीक्षा करने की वकालत करते हुए कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट में भविष्य अब पूरी तरह से चयनकर्ताओं के हाथ में है। गावस्कर ने एक साक्षात्कार में रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर चल रही बहस के संदर्भ में कहा, ''वे कितने समय तक टीम में रहेंगे यह वास्तव में चयनकर्ताओं पर निर्भर है। अब जबकि भारत डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा है तो उन कारणों पर विचार करना उचित होगा कि ऐसा क्यों हुआ।'

डब्ल्यूटीसी की शुरुआत के बाद यह पहली बार है जबकि भारत इसके फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा। वह रविवार को समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से 1-3 से हार के बाद फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। भारत को इस हार के कारण पिछले एक दशक में पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से हाथ धोना पड़ा। उसकी पराजय का मुख्य कारण बल्लेबाजों का खराब प्रदर्शन रहा। रोहित और कोहली भारतीय बल्लेबाजी की कमजोर कड़ी साबित हुए। कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए, जबकि रोहित ने पांच पारियों में केवल 31 रन बनाए। गावस्कर ने टीम के बल्लेबाजों की बार-बार विफलता की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यह स्पष्ट है कि पिछले छह महीनों में हमारी बल्लेबाजी विफल रही और यही मुख्य कारण था कि हम उन मैच में भी हार गए जो हमें जीतने चाहिए थे।'

इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'इसलिए अगर इंग्लैंड में जून में शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी के नए चक्र के लिए टीम में बदलाव की जरूरत है तो उम्मीद है कि चयनकर्ता इस बात पर गौर करेंगे कि 2027 में फाइनल तक कौन खिलाड़ी टीम में रहेगा और उसके अनुसार चयन करेंगे।' गावस्कर ने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया लेकिन कहा कि घरेलू क्रिकेट में कुछ खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और अब उन्हें उचित मौका देने की जिम्मेदारी चयनकर्ताओं पर है। उन्होंने कहा, 'जब तक उन्हें मौका नहीं दिया जाएगा तो हमें कैसे पता चलेगा कि रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे?'

गावस्कर ने नितीश कुमार रेड्डी जैसी प्रतिभा को सामने लाने के लिए चयन समिति की भी सराहना की। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के जिन तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए उनमें रेड्डी भी शामिल थे। शतक लगाने वाले अन्य बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कोहली थे। उन्होंने कहा, 'नितीश कुमार रेड्डी में क्षमता देखने और उसे टेस्ट टीम में चुनने के लिए अजीत अगरकर और उनकी टीम को बधाई।' गावस्कर ने गेंदबाजी के बारे में कहा कि भारत के पास पर्याप्त प्रतिभा है, जिसे अपेक्षित अवसर दिए जाने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जसप्रीत बुमराह जैसे स्टार खिलाड़ी पर जरूरत से ज्यादा बोझ न पड़े। उन्होंने कहा, 'भारत के पास कई होनहार तेज गेंदबाज हैं जो मौके का इंतजार कर रहे हैं। बुमराह पर ज्यादा बोझ नहीं डाला जाना चाहिए और अगर अन्य गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं तो हमारे पास एक ऐसा आक्रमण हो सकता है जो किसी भी परिस्थिति में मैच जीत सकता है।' भारतीय क्रिकेट में स्टार खिलाड़ियों को सिर पर बिठाए रखने की संस्कृति रही है जिसे समय-समय पर बड़ी समस्या माना जाता है लेकिन गावस्कर ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी के लिए अपने पांव जमीन पर बनाए रखना मुश्किल काम नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम हर दिन दर्पण में अपना चेहरा देखते हैं और चूंकि हम अपने साथ ऐसा करते हैं।

WTC FINAL में साउथ अफ्रीका का ऑस्ट्रेलिया से सामना मतलब...

आग का दरिया है और डूब के जाना है

नई दिल्ली। WTC FINAL 2025 साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 11 जून से लंदन के ऐतिहासिक स्टेडियम लॉड्र्स में खेला जाना है। इसके लिए अभी करीब 5 महीने का समय है, लेकिन साउथ अफ्रीका की टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा ने बता दिया है कि वे किस तरह की तैयारी इस खिताबी मैच को जीतने के लिए करने वाले हैं। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीतना बहुत कठिन होने वाला है। एक तरह से यह आग का दरिया है और डूब के जाना है। पाकिस्तान का टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए टेम्बा बावुमा ने कहा, "अब शायद सबसे बड़ा पॉइंट (विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप) फाइनल के लिए क्वॉलिफाई करना है। दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना डेब्यू करने के बाद यह मेरे लिए सबसे बड़ी चीजों में से एक होगी। उम्मीद है, मैं उस समय तक फिट हो जाऊंगा। यह शायद मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से सबसे बड़ी उपलब्धि है, और शायद समूह के लिए भी।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे पास देश के लिए कुछ खास करने का अवसर है। एक बात जो मैं जानता हूं वह यह है कि खिलाड़ियों के उस ग्रुप के साथ हर कोई यह सुनिश्चित करने के लिए ईंट की दीवार को पार करने (बहुत कठिन परिश्रम) की कोशिश करेगा कि हम उस परिणाम के सही पक्ष में पहुंचें।" साउथ अफ्रीका ने सबसे पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इस चक्र के फाइनल के लिए क्वॉलिफाई किया था।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले इंग्लैंड के खिलाफ दो सीरीज खेलनी है। पहली टी20 इंटरनेशनल सीरीज है, जिसमें 5 मैच हैं, जबकि वनडे सीरीज में कुल 3 मैच निर्धारित किए गए हैं। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम बदले हुए कलेवर में दिख सकती है। सीरीज का आगाज 22 जनवरी को कोलकाता के ईडन गार्डंस में होगा, भारत और इंग्लैंड के बीच जहां पहला टी20 मैच खेला जाएगा। इसके बाद 25 जनवरी को चेन्नई, 28 जनवरी को राजकोट, 31 जनवरी को पुणे और 2 फरवरी को मुंबई में क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और 5वें टी20 इंटरनेशनल में भिड़ना है। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होंगे।

- 22 जनवरी, भारत बनाम इंग्लैंड, पहला टी20 इंटरनेशनल
  ईडन गार्डंस, कोलकाता
- दूसरा टी20 इंटरनेशनल मैच 25 जनवरी,
  एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई
- तीसरा टी20 इंटरनेशनल मैच 28 जनवरी,
  सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, राजकोट
- चौथा टी20 इंटरनेशनल मैच 31 जनवरी, महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे
- पांचवां टी20 इंटरनेशनल मैच 02 फरवरी, पांचवां टी20 इंटरनेशनल वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई

भारत दौरे के लिए इंग्लैंड टी20 इंटरनेशनल टीम

जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड

'लोग भूल जाते हैं कि उन्होंने अतीत में क्या हासिल किया है'

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हारने के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। रोहित और विराट दोनों ही बल्ले से खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हालांकि विराट ने पर्थ टेस्ट में शतक लगाया, लेकिन टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने दुबई में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रीमियर लीग के लॉन्च पर रोहित और विराट दोनों का समर्थन करते हुए कहा कि लोग भूल जाते हैं कि उन्होंने (रोहित और विराट) अतीत में क्या हासिल किया है। भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बाहर करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को सिडनी में पांचवां और फाइनल जीतकर एक दशक बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। युवराज ने कहा, 'मैं देखता हूं कि भारत ने पिछले 5-6 सालों में क्या हासिल किया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो जीत हासिल की हैं। मुझे याद नहीं कि किसी टीम ने ऐसा किया हो। लोग रोहित शर्मा और विराट कोहली की खूब आलोचना कर रहे हैं, लेकिन लोग भूल जाते हैं कि उन्होंने अतीत में क्या हासिल किया है।' उन्होंने कहा, 'वे इस समय के दो सबसे महान क्रिकेटर हैं। यह ठीक है कि वे हार गए, वे हमसे ज़्यादा दुखी हैं। मुझे यकीन है कि भारत वापसी करेगा। कोच के तौर पर गौतम गंभीर, चयनकर्ता के तौर पर अजीत अगरकर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, वे इस समय क्रिकेट के सबसे बेहतरीन दिमाग हैं। उन्हें तय करना है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य क्या है। मुझे यकीन है कि इस पर बीसीसीआई, जय शाह के साथ चर्चा की जाएगी और इस बात पर विचार किया जाएगा कि भारत के लिए आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका क्या है।' रोहित शर्मा के सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर होने पर युवराज ने कहा, 'यह बड़ी बात है।

शमी की चोट प्रबंधन पर रवि शास्त्री और रिकी पोंटिंग ने उठाए सवाल

सिडनी। मोहम्मद शमी के चोट प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए पूर्व दिग्गज रवि शास्त्री और रिकी पोंटिंग ने कहा कि अगर इस अनुभवी तेज गेंदबाज को पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के दूसरे भाग में टीम में शामिल किया जाता तो भारत का पलड़ा भारी हो सकता था। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी ने खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में छह विकेट से जीत दर्ज करके श्रृंखला 3–1 से अपने नाम की और पिछले एक दशक में पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती। शमी ने टखने की चोट से उबरने के बाद अपने गृह राज्य बंगाल के लिए तीनों प्रारूपों रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली टी20 और विजय हजारे वनडे में प्रभावशाली प्रदर्शन किया जिससे उनकी भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद बढ़ गई थी। लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने घुटने की सूजन का हवाला देते हुए मेलबर्न में चौथे टेस्ट से पहले आधिकारिक तौर उनकी वापसी की संभावना को समाप्त कर दिया था।

पोंटिंग और शास्त्री दोनों का मानना है कि भारत को शमी को ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर ले जाना चाहिए था।

पूर्व भारतीय मुख्य कोच शास्त्री ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं मीडिया में चल रही बातों से बहुत हैरान था कि आखिर में मोहम्मद शमी के साथ वास्तव में क्या हुआ था। जब फिट होने की बात आती है तो वह कहां है? मुझे नहीं पता कि वह कितने समय से एनसीए (भारतीय क्रिकेट अकादमी) में है। वह किस स्थिति में है इसको लेकर उचित संवाद हो सकता था। अगर मुझे फैसला करना होता तो मैं उसे ऑस्ट्रेलिया लेकर आ जाता। अगर वह होता तो हम मेलबर्न और सिडनी टेस्ट का परिणाम अपने पक्ष में कर सकते थे।'

ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे पोंटिंग ने भी शास्त्री की बातों का समर्थन करते हुए कहा, 'मुझे वास्तव में हैरानी है कि उसे श्रृंखला के बीच में टीम में क्यों शामिल नहीं किया गया। वह अगर कम ओवर भी करता तब भी अंतर पैदा कर सकता था। जब आपने मुझसे (आईसीसी की पिछली समीक्षा में) शुरुआत में पूछा था कि श्रृंखला का परिणाम क्या होगा, तो मैंने कहा था कि ऑस्ट्रेलिया 3-1 से जीतेगा क्योंकि भारतीय टीम में शमी नहीं हैं।

भारत इस साल करेगा भाला फेंक प्रतियोगिता की मेजबानी

नीरज चोपड़ा सहित कई स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

चंडीगढ़। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने मंगलवार को बताया कि भारत संभवतः इस साल सितंबर में भाला फेंक की शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें ओलंपिक स्वर्ण और रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा सहित कई स्टार खिलाड़ी भाग लेंगे। यह आयोजन उन कई प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त है जिनकी मेजबानी के लिए भारत ने अपनी रुचि व्यक्त की है। इसमें 2029 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है।

एएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने पुष्टि की कि भारत ने 2029 विश्व चैंपियनशिप और 2027 में होने वाली विश्व रिले प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए रुचि व्यक्त की है। एएफआई पिछले साल नवंबर में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को की भारत यात्रा के दौरान पहले ही 2028 विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए अपनी रुचि व्यक्त कर चुका है।

पिछले 12 साल से एएफआई के अध्यक्ष रहे सुमरिवाला ने इस खेल महासंघ की वार्षिक आम बैठक के पहले दिन कहा, 'भारत इस साल के आखिर में भाला फेंक की एक शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें दुनिया के चोटी के 10 खिलाड़ी भाग लेंगे।'

उन्होंने कहा, 'नीरज चोपड़ा वहां होंगे। वह उस टीम का हिस्सा हैं जो इस प्रतियोगिता का आयोजन करेगी। जेएसडब्ल्यू, एक विदेशी फर्म और एएफआई मिलकर इस प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं।' सुमरिवाला ने बाद में पीटीआई को बताया कि यह प्रतियोगिता सितंबर में आयोजित की जा सकती है।

भारत के लिए खेलना छोड़ जाओ T20 खेलो

जसप्रीत बुमराह पर निकला पूर्व क्रिकेटर का गुस्सा

नई दिल्ली। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 पर ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से कब्जा जमाया। ऑस्ट्रेलिया ने भले ही सीरीज जीती हो, लेकिन प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को। बुमराह ने सीरीज में 32 विकेट चटकाए। बुमराह ने अकेले दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की नाक में दम कर रखा था। सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया था, जहां दूसरी पारी में चोट के चलते बुमराह गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। बुमराह की यह बात पूर्व क्रिकेटर बलविंदर संधू को बिल्कुल पसंद नहीं आई। 1983 में भारतीय टीम को वर्ल्ड चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले इस तेज गेंदबाज ने कहा कि वर्कलोड की बातें अब होने लगी हैं और पहले जमाने में तेज गेंदबाज इससे ज्यादा गेंदबाजी किया करते थे। संधू ने कहा, 'वर्कलोड? उसने कितने ओवर गेंदबाजी की? 150 के आस-पास, यही ना? लेकिन कितनी पारियों में? पांच मैच की 9 पारियों में, सही बात है ना? ऐसे देखें तो करीब 16 ओवर प्रति पारी या 30 ओवर प्रति मैच। उसने लगातार गेंदबाजी थोड़े ही की, उसने अलग-अलग स्पैल में गेंदबाजी की। वर्कलोड मैनेजमेंट बकवास की बात है, यह ऑस्ट्रेलियाई शब्द है, और ये चोचला ऑस्ट्रेलियाइयों का बनाया हुआ है। मुझे यह बेकार की बात लगती है।'

संधू ने आगे कहा, 'मैं ऐसे समय में खेल चुका हूं, जहां क्रिकेटर्स अपने शरीर को सुनते थे, कोई और नहीं। मुझे ये सब बातें बेकार की लगती हैं। एक दिन में 15 ओवर करना और वह भी अलग-अलग स्पैल में, किसी गेंदबाज के लिए यह बड़ी बात नहीं है। उसने तीन-चार स्पैल में वह ओवर फेंके। आज के समय में खिलाड़ियों के पास बेस्ट फीजियो हैं, बेस्ट मालिश करने वाले हैं, और बेस्ट डॉक्टर्स हैं, जो आपके शरीब का बेस्ट ध्यान रख सकते हैं। अगर कोई गेंदबाज एक पारी में 20 ओवर की गेंदबाजी भी नहीं कर पाए, तो उसे भारत के लिए खेलना भूल जाना चाहिए। हम लोग 25-30 ओवर गेंदबाजी एक दिन में करते थे। कपिल देव ने अपने पूरे करियर में लॉन्ग स्पैल में गेंदबाजी की है।

टाटा मुंबई मैराथन 2025

श्रीनु बुगाथा, ठाकोर निरमाबेन खिताब बरकरार रखने के लिए उत्सुक

एशियाई खेलों में 10,000 मीटर के रजत पदक विजेता कार्तिक कुमार इस साल पदार्पण करेंगे

मुंबई। गत चैंपियन श्रीनु बुगाथा और ठाकोर निरमाबेन भरतजी 19 जनवरी को टाटा मुंबई मैराथन 2025 में भारत के एलीट वर्ग में पुरुष और महिला खिताब बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। पुरुष वर्ग में बुगाथा के साथ एशियाई मैराथन विजेता मान सिंह, दो बार के विजेता और तीन बार के उपविजेता ओलंपियन गोपी टी भी हैं। पिछले संस्करण में चौथे स्थान पर रहे कालिदास हिरवे भी खिताब के प्रबल दावेदार हैं। गोपी ने 2:14.40 सेकंड के समय के साथ आर्मी टीम के साथी बुगाथा को एक सेकंड से हराकर 2024 नई दिल्ली मैराथन जीती है।

टीएमएम 2023 में तीसरे स्थान पर रहे महाराष्ट्र के हिरवे ने वसई-विरार मेयर मैराथन जीतकर फॉर्म वापस पा लिया है। 2023 एशियाई खेलों के 10,000 मीटर के रजत पदक विजेता कार्तिक कुमार पहली बार विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस टीएमएम 2025 में भाग लेंगे। उनका सर्वश्रेष्ठ मैराथन समय 2:22:50 है, जो पिछले साल अक्टूबर में बेंगलुरु मैराथन में दर्ज किया गया था। टीएमएम के पिछले सीज़न में पांचवें स्थान पर रहे हर्षद म्हात्रे भी इस साल दौड़ेंगे।

2024 नई दिल्ली मैराथन में उपविजेता और टाटा स्टील वर्ल्ड 25 किमी कोलकाता 2024 में चौथे स्थान पर रहीं निरमाबेन का सामना क्रमशः 2024 कोल इंडिया रांची मैराथन विजेता और उपविजेता सोनिका परमार और रेनू के साथ-साथ टीएमएम की नियमित आरती पाटिल से होगा। जिन्होंने 2023 संस्करण में महिला वर्ग का खिताब बरकरार रखते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

टाटा मुंबई मैराथन की कुल पुरस्कार राशि 390,238 अमेरिकी डॉलर है भारतीय एलीट पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष तीन विजेताओं को क्रमशः 5, 4 और 3 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। नए मैराथन रिकॉर्ड धारक को 2 लाख रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया है।

चंद्रमा की एक गलती का परिणाम है धरती पर महाकुंभ

13 जनवरी से महाकुंभ की शुरुआत होने जा रही है। यह लोगों की आस्था का एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है। दंतकथाओं की मानें तो, चंद्रमा की एक गलती की वजह से धरती पर कुंभ मेले की शुरुआत हुई।

महाकुंभ मेला जल्द ही शुरू होने वाला हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है जो साल 2025 में 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में आयोजित होगा। महाकुंभ के दौरान देश-विदेश के हर कोने से लोग आस्था की डुबकी संगम में लगाने आते हैं।

हिंदू ग्रंथों के अनुसार इसका आयोजन लगभग 2 हजार सालों से हो रहा है।महाकुंभ में त्रिवेणी यानी गंगा, यमुना और सरस्वती मिलन के संगम तट पर स्नान स्नान किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महाकुंभ में गंगा स्नान करने अश्वमेघ यज्ञ के बराबर पुण्य फल की प्राप्ति होती है। आपको बता दें, कुंभ में स्नान करने से आपका आध्यात्मिक विकास भी होता है और आपके पाप भी धुल जाते हैं। हालांकि, बहुत कम ही लोग जानते होंगे कि, चंद्र देव की एक गलती के कारण आज धरती पर कुंभ का मेला लगता है। अगर दूसरे अर्थों में कहें तो धरतीवासियों के लिए चंद्रदेव की गलती वरदान बन गई। आइए यहां जान लेते हैं, चंद्रमा से जुड़ी महाकुंभ की इस रोचक

कहानी के बारे में।

महाकुंभ का पौराणिक आधार

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महाकुंभ की शुरुआत समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ी है। ये बात तो हम सभी जानते हैं कि देवताओं और असुरों ने मिलकर समुद्र मंथन किया था। समुद्र मंथन के दौरान समुद्र से कई बहुमूल्य चीजें निकलीं थीं। इन्हीं में से एक अमृत कलश भी था।

तब अमृत की बूंदें पृथ्वी पर चार स्थानों ङ्क प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिरीं। यही कारण है कि इन स्थानों पर कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। 'कुंभ' शब्द स्वयं अमृत कलश का प्रतीक है, जो अमरता और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है।

जयंत के साथ गए देव ये देवता जब जयंत अमृत कलश को असुरों से लेने गया था तब सूर्य, चंद्रमा, बृहस्पति और शनि भी जयंत के साथ गए थे। हर देवता को एक जिम्मेदारी दी गयी थी।

सूर्य को अमृत कलश को टूटने से बचाना था।

चंद्रमा को जिम्मेदारी दी गई थी कि अमृत का कलश गलती से भी छलके ना।

देव गुरु बृहस्पति को राक्षसों को रोकने के लिए भेजा गया था।

वहीं शनि देव को जयंत पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी गई थी कि कहीं वो सारा अमृत स्वयं न पी जाए।

चंद्रमा से हुई थी ये गलती

मान्यताओं के अनुसार, जब देवता अमृत कलश स्वर्ग ला रहे थे तो एक गलती चंद्रमा से हो गई थी। चंद्रमा को यह जिम्मेदारी दी गई थी कि अमृत का कलश छलके ना, लेकिन एक छोटी सी भूल के कारण अमृत कलश की चार बूंदें कलश से बाहर निकल गईं। ये चार बूंदें धरती पर चार स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में गिरीं। इन चारों स्थानों पर अमृत की बूंदें गिरने से ये चार स्थान पवित्र हो गए। तब से यहां स्नान करने को अत्यंत शुभ माना जाने लगा।

अमृत कलश को लाने की जिम्मेदारी सूर्य, चंद्रमा, गुरु और शनि को दी गई थी। इसलिए आज भी इन ग्रहों की विशेष स्थिति को देखकर ही कुंभ का आयोजन किया जाता है। महाकुंभ में स्नान करने वाले व्यक्ति के कई जन्मों के पाप कर्म भी धुल जाते हैं। साथ ही, कुंभ में स्नान करने से आध्यात्मिक रूप से आप उन्नति पाते हैं।

मकर संक्रांति के दिन करें ये उपाय, धन की होगी वर्षा

मकर संक्रांति का पर्व पूरे भारत में मनाया जाता है। इस दिन सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। सूर्य देव का मकर राशि में प्रवेश करने से खरमास खत्म हो जाता है। मकर संक्रांति के दिन ये उपाय करने से घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती है।

इस साल मकर संक्रांति का त्योहार 14 जनवरी 2025, मंगलवार को पड़ रहा है। मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। सूर्य का मकर राशि में प्रवेश करने से खरमास समाप्त हो जाता है। इसके साथ ही मांगलिक कार्य शुरु हो जाते हैं। ऐसे में जो व्यक्ति इस दिन कुछ उपाय करता है, तो उसके घर में साल भर धन-धान्य का भंडार भरे रहेंगे। आइए आपको बताते हैं मकर संक्रांति के दिन कौन से उपाय करने चाहिए।

मकर संक्रांति 2025 के उपाय

- मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा करने के बाद घर के मुख्य द्वार को जल से धोकर शुद्ध कर लें और फिर मेन गेट पर हल्दी की 5 गांठ कलावे में लपेटकर बांध दें। ऐसा करने से घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी। इसके साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

- इस दिन ग्रह दोष से छुटकारा पाने के लिए गंगा स्नान करना सबसे उत्तम उपाय माना जाता है। अगर आप गंगा नदी में जाकर स्नान करने में सक्षम नहीं है तो आप घर में ही स्नान वाले पानी में गंगाजल मिलाकर नहाएं। ऐसा करने से ग्रह दोष भी दूर होते है।

मकर संक्रांति के दिन सफेद तिल का दान करे। इसके अलावा आप सफेद तिल को जल में मिलाकर पीपल के पेड़ की जड़ में अर्पित करें। ऐसा करने से देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्रात्त होता है। इसके साथ ही पितृ दोष भी शांत होगा।

- इस दिन सूर्य को अर्घ्य देते समय में जल में लाल चंदन को मिला लें। फिर सूर्य देव को अर्पित करें। इसके साथ ही सूर्य देव के आदित्य ह्रदय स्तोत्र का पाठ जरुर करें। अगर आप यह मंदिर के सामने बैठकर पाठ करेंगे तो सूर्य कुंडली में मजबूत रहेगा।

- इस दिन खिचड़ी बनाने का महत्व है। मकर संक्रांति के दिन घर में खिचड़ी बनाकर अपने इष्ट देव को भोग लगाएं और इसके बाद उस खिचड़ी को खाएं, इसके साथ ही आप भूखें व्यक्ति को खिलाएं । ऐसा करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है।

कूर्म द्वादशी की पूजा की तिथि और शुभ मुहूर्त, समुद्र मंथन के लिए भगवान विष्णु ने लिया था यह अवतार

10 जनवरी, शुक्रवार को कूर्म द्वादशी मनाई जाएगी। कूर्म द्वादशी के दिन भगवान विष्णु के कछुआ अवतार की पूजा करने का विधान है। प्रचलित मान्यता है कि इस व्रत को करने से पापों का निवारण होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

10 जनवरी, शुक्रवार को कूर्म द्वादशी मनाई जाएगी। कूर्म द्वादशी के दिन भगवान विष्णु के कछुआ अवतार की पूजा करने का विधान है। प्रचलित मान्यता है कि इस व्रत को करने से पापों का निवारण होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

जगत के पालनहार भगवान विष्णु के दसवें अवतारों में दूसरा अवतार कूर्म यानी कछुए को समर्पित कूर्म द्वादशी का पर्व हर साल पौष महीने की शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को मनाई जाती है। इस बार ये द्वादशी 10 जनवरी, शुक्रवार को मनाई जाएगी।

इस दिन मुख्य रूप से भगवान विष्णु के कच्छप अवतार की पूजा की जाती है। इस दिन विष्णु जी के कूर्म अवतार की पूजा करने से साधक के जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। ऐसे में चलिए जानते हैं कूर्म द्वादशी का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि।

कूर्म द्वादशी की तिथि और शुभ मुहूर्त

पौष माह की शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि 10 जनवरी को सुबह 10 बजकर 19 मिनट पर शुरु हो रही है। साथ ही इस तिथि का समापन 11 जनवरी को सुबह सुबह 8 बजकर 21 मिनट पर होने जा रहा है। ऐसे में कूर्म द्वादशी शुक्रवार 10 जनवरी को मनाई जाएगी।

कूर्म द्वादशी की पूजा विधि

कूर्म द्वादशी के दिन जल्दी उठकर स्नान-ध्यान करें। अब पूजा स्थल की अच्छे से साफ-सफाई करने के बाद चौकी स्थापित कर उसपर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं। इस चौकी पर भगवान विष्णु के कूर्म अवतार की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करें। आप चाहें तो भगवान विष्णु की भी तस्वीर स्थापित कर सकते हैं।

इसके बाद दीपक जलाएं और विष्णु जी को सिंदूर, लाल फूल आदि अर्पित करें। इस दिन भगवान विष्णु के भोग में तुलसी के दल जरूर शामिल करें। अंत में आरती करें और सभी में प्रसाद बांटें। अधिक लाभ के लिए आप इस दिन पर कुर्म स्तोत्रम् का पाठ भी कर सकते हैं।

कूर्म द्वादशी का महत्व

कूर्म द्वादशी को एक महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। हिंदुओं में इसका धार्मिक महत्व है। कूर्म एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है कछुआ। कूर्म द्वादशी का दिन भगवान विष्णु को समर्पित है और भक्त इस पवित्र दिन श्री हरि विष्णु की पूजा करते हैं।

शास्त्रों के अनुसार, यह माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने समुद्र मंथन के लिए कछुए का अवतार लिया था, जिसे भगवान विष्णु का दूसरा अवतार माना जाता है। कूर्म द्वादशी के दिन भगवान विष्णु के कछुआ अवतार की पूजा करने का विधान है। प्रचलित मान्यता है कि इस व्रत को करने से पापों का निवारण होता है और मोक्ष की प्राप्ति में भी मदद मिलती है।

नागा साधु बनने के लिए देनी पड़ती है कठिन परीक्षा, खुद का करते हैं पिंडदान

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 को महाकुंभ मेले की शुरूआत होने जा रही है। वहीं महाकुंभ मेले का समापन 26 फरवरी 2025 को होगा। इस दौरान सभी अखाड़ों के साधु-संत महाकुंभ में शामिल होंगे। बड़ी संख्या में नागा साधु कुंभ के मेले में स्नान करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कोई व्यक्ति नागा साधु कैसे बन सकता है और उसको नागा

साधु बनने के लिए किन नियमों का पालन करना होता है। अगर आपका जवाब नहीं है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि नागा साधु बनने के लिए व्यक्ति को किन कठिन परीक्षाओं से गुजरना होता है।

इस तरह बनते हैं नागा साधु

बता दें कि जब कोई व्यक्ति अखाड़े के सामने नागा साधु बनने की इच्छा जाहिर करता है, तो अखाड़ा समिति उस व्यक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त करता है कि क्या वह व्यक्ति नागा साधु बनने के योग्य है या नहीं। उस व्यक्ति के जीवन से जुड़ी सभी जानकारी प्राप्त करने के बाद उसको अखाड़ा समिति में शामिल किया जाता है।

शुभता और समृद्धि के देवता हैं भगवान गणेश

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नागा साधु बनने के लिए जातक को कई तरह की कठिन परीक्षाओं का सामना करना पड़ता है। नागा साधु बनने के लिए ब्रह्मचर्य के नियम का पालन करना पड़ता है। इस परीक्षा को पास करने के बाद उस व्यक्ति को पंच देव से दीक्षा प्राप्त करनी होती है। शिव, विष्णु, शक्ति, सूर्य और गणेश भगवान को पंच देव कहा जाता है।

नागा साधु बनने वाला व्यक्ति सांसारिक जीवन का त्याग कर देता है और नागा साधु वाले जीवन में प्रवेश करने के लिए खुद का पिंडदान भी करना पड़ता है। वहीं जो भोजन भिक्षा में मिलता है, उसी का सेवन करना पड़ता है। वहीं अगर किसी दिन नागा साधु को भिक्षा नहीं मिलती है, तो उसे बिना भोजन के रहना पड़ता है।

राधारानी का विश्व प्रसिद्ध मंदिर बरसाना ग्राम की पहाड़ी पर स्थित है

एक बार देवर्षि नारद ने ब्रज में श्रीकृष्ण का दर्शन किया। उन्होंने सोचा, जब स्वयं गोलोक विहारी श्रीकृष्ण भूलोक पर अवतरित हो गये हैं तो गोलोकेश्वरी श्रीराधा भी कहीं न कहीं गोपी रूप में अवश्य अवतरित हुई होंगी। घूमते घूमते देवर्षि वृषभानु गोप के विशाल भवन के पास पहुंचे।

ब्रज में श्रीराधा का महत्व सर्वोपरि हैं। राधारानी का विश्व प्रसिद्ध मंदिर बरसाना ग्राम की पहाड़ी पर स्थित है। यहां की लट्ठमार होली विश्व प्रसिद्ध है। श्रीराधा ने श्रीकृष्ण के प्रेम के लिए सामाजिक बंधनों का उल्लंघन किया। दोनों का पुनर्मिलन कुरुक्षेत्र में बताया जाता है जहां सूर्यग्रहण के अवसर पर द्वारिका से श्रीकृष्ण और वृन्दावन से नंद, राधा आदि गए थे। श्रीराधा भगवान श्रीकृष्ण की शक्ति हैं। श्रीकृष्ण के प्राणों से

ही इनका आविर्भाव हुआ। श्रीकृष्ण इनकी नित्य आराधना करते हैं, इसलिए इनका नाम राधा है।

श्रीराधा के बारे में कहा जाता है कि उनके माता पिता वृषभानु गोप एवं कीर्तिदा ने पूर्वजन्म में पति पत्नी के रूप में दिव्य द्वादश वर्षों तक तप करके ब्रह्माजी को संतुष्ट किया था। इसलिए कमलयोनि ब्रह्माजी ने दोनों को यह वर दिया था- %द्वापर के अंत में श्रीकृष्ण की आदिशक्ति श्रीराधा तुम्हारी पुत्री बनेंगी।% इस प्रकार द्वापर के अंत में योगमाया ने श्रीराधा के लिए उपयुक्त क्षेत्र की रचना कर दी।

भाद्र शुक्ल अष्टमी, दिन सोमवार के मध्यान्ह में कीर्तिदा रानी के प्रसूतिगृह में सहसा एक दिव्य ज्योति फैल गयी। उस तीव्र ज्योति से सबके नेत्र बंद हो गये। जब गोप सुंदरियों के नेत्र खुले तो उन्होंने देखा- एक अति सुंदर कीर्तिदा के पास पड़ी है। कीर्तिदा रानी ने अपनी कन्या को देखकर प्रसन्नता के आवेग में मन ही मन एक लाख गोदान का संकल्प कर डाला। बालिका का नाम राधा रखा गया।

एक बार देवर्षि नारद ने ब्रज में श्रीकृष्ण का दर्शन किया। उन्होंने सोचा, जब स्वयं गोलोक विहारी श्रीकृष्ण भूलोक पर अवतरित हो गये हैं तो गोलोकेश्वरी श्रीराधा भी कहीं न कहीं गोपी रूप में अवश्य अवतरित हुई होंगी। घूमते घूमते देवर्षि वृषभानु गोप के विशाल भवन के पास पहुंचे। वृषभानु गोप ने उनका विधिवत सत्कार किया। फिर उन्होंने देवर्षि से निवेदन किया- भगवन! मेरी एक पुत्री है वह सुंदर तो इतनी है मानो सौंदर्य की खान हो, किंतु हमारे विशेष प्रयास के बाद भी वह अपनी आंखें नहीं खोलती है। आश्चर्यचकित देवर्षि नारद वृषभानु के साथ श्रीराधा के कमरे में गये वहां बालिका का अनुपम सौंदर्य देखकर देवर्षि के विस्मय की सीमा न रही। नारदजी के मन में आया, निश्चय ही यही श्रीराधा हैं। वृषभानु को बाहर भेजकर उन्होंने एकांत में श्रीराधा की नाना प्रकार से स्तुति की, किंतु उन्हें श्रीराधा के दिव्य स्वरूप का दर्शन नहीं हुआ। जैसे ही देवर्षि नारद ने श्रीकृष्ण वंदना करना शुरू की वैसे ही दृश्य बदल गया और देवर्षि नारद को किशोरी श्रीराधिका का दर्शन हुआ। सखियां भी वहां प्रकट होकर श्रीराधा को घेर कर खड़ी हो गयीं। श्रीराधा देवर्षि को अपने दिव्य स्वरूप का दर्शन कराने के बाद पुन: पालने में बालिका रूप में प्रकट हो गयीं। देवर्षि नारद गदगद कण्ठ से श्रीराधा का यशोगान करते हुए वहां से चल दिये।

ब्रह्मवैवर्तपुराण में भगवान श्रीकृष्ण ने अपने और श्रीराधा के अभेद का प्रतिपादन करते हुए कहा है कि श्रीराधा के कृपा कटाक्ष के बिना किसी को मेरे प्रेम की उपलब्धि ही नहीं हो सकती। वास्तव में श्रीराधा कृष्ण एक ही देह हैं। श्रीकृष्ण की प्राप्ति और मोक्ष दोनों श्रीराधाजी की कृपा दृष्टि पर ही निर्भर हैं।

उत्तरायण को क्यों कहते हैं देवताओं का दिन, इस खास त्योहार के महत्व के बारे में

नए साल की शुरुआत हो गई है जहां पर जनवरी के इस महीने में मकर संक्रांति का त्योहार 14 जनवरी मनाया जाने वाला है। इस त्योहार देश के अलग-अलग राज्यों में कई नामों से जाना जाता है और मनाया जाता है। गुजरात में मकर संक्रांति को उत्तरायण के नाम से जाना जाता है।

क्या होता है उत्तरायण- यहां पर गुजरात में मकर संक्रांति का नया नाम उत्तरायण होता है। इसका ज्योतिष शास्त्र में उल्लेख है इसके अनुसार, सूर्य हर 30-31 दिन में राशि बदलता है। इस तरह ये 365 दिन में एक राशि क्रम पूरा करता है, इसे सूर्य वर्ष भी कहते हैं। जब सूर्य मकर से मिथुन राशि में रहता है तो इस समय ये पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध की ओर गति करता है (भारत उत्तरी गोलार्द्ध में है)। वहीं पर जब सूर्य कर्क से धनु राशि में रहता है तो इस स्थिति को दक्षिणायन कहते हैं। उत्तरायण के दौरान दिन बड़े और रातें छोटी होती हैं जबकि दक्षिणायन में दिन छोटे और रातें बड़ी होती हैं।

सूर्य के प्रकाश अधिक उत्सर्जित करने का फल यह होता है कि, इसके प्रकाश से फसलें ज्यादा पकती है। वहीं पर समुद्र का पानी भाप बनकर उड़ जाता है वहीं पर यह बारिश में हमें प्राप्त होता है इसलिए ही तो सूर्य का उत्तरी गोलार्ध में आना शुभ फल देता है।

क्या होता है उत्तरायण का देवताओं से संबंध- आपको बताते चलें कि, उत्तरायण को देवताओं से जोड़कर माना जाता है इसमें उत्तरायण को देवताओं का दिन कहते हैं तो दक्षिणायन को देवताओं की रात। इस खास तरह के वैज्ञानिक बदलाव को पॉजिटिविटी का प्रतीक मानते है। इस दौरान सूर्य की रोशनी अधिक समय तक पृथ्वी पर रहती है। मकर संक्रांति पर सूर्य की राशि में हुए परिवर्तन को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होना माना जाता है। इसलिए इस दिन सूर्यदेव की पूजा विशेष रूप से की जाती है।

क्या हैं इसकी पौराणिक कथा- महाभारत के अनुसार, जिस समय कुरुक्षेत्र में पांडवों का युद्ध हुआ, उस समय सूर्य दक्षिणायण था। जब युद्ध समाप्त हो गया और युधिष्ठिर का राज्याभिषेक हो गया, तब सभी पांडवों तीरों पर लेटे भीष्म पितामाह के पास गए। भीष्म ने पांडवों को ज्ञान की कई बातें बताई और सूर्य के उत्तरायण होने के इंतजार करने लगे। सूर्य के उत्तरायण होते ही उन्होंने अपने प्राणों का त्याग कर दिया।

भगदड़ में जख्मी बच्चे से मिलने पहुंचे
अल्लू अर्जुन

साउथ के सुपरस्टार एक्टर अल्लू अर्जुन मंगलवार को सिनेमाघर में फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान हुई भगदड़ के दौरान जख्मी हुए बच्चे से मिलने पहुंचे। अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा-2' की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी और उसके बेटा गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। अल्लू अर्जुन को इस दुर्घटना के बाद से ही पीड़ित से मिलने नहीं जाने की बात पर घेरा जा रहा था। अल्लू अर्जुन का हॉस्पिटल में यह दौरा गुप्ता रखा गया। ट्रेड विशेषज्ञ मनोबाला विजयबालन ने अल्लू अर्जुन के हॉस्पिटल विजट की तस्वीरें और वीडियो अपने X हैंडल पर साझा किए हैं जिसमें उन्हें अपनी ब्लैक गाड़ी से हॉस्पिटल पहुंचते और फिर भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अस्पताल के भीतर दाखिल होते देखा जा सकता है।

हॉस्पिटल का दौरा करने के लिए अल्लू अर्जुन ने पुलिस से इजाजत मांगी थी। रामगोपालपेट पुलिस थाने के प्रभारी ने एक्टर को एक नोटिस भेजा था, जिसमें उनसे कहा गया कि वह रविवार को अस्पताल जाने की अपनी योजना पर फिर से विचार करें, क्योंकि इस मामले में लोगों की बहुत ज्यादा दिलचस्पी है। वह यह भी तय करें कि उनके जाने से अस्पताल के कामकाज और अन्य मरीजों को कोई परेशानी न हो। हॉस्पिटल विजिट करने के बारे में पुलिस ने कहा कि अगर अल्लू अर्जुन फिर भी अस्पताल जाना चाहते हैं, तो एक्टर को हॉस्पिटल मैनेजमेंट और पुलिस के साथ तालमेल करना चाहिए। उनकी हॉस्पिटल में एंट्री और एग्जिट की इस तरह से प्लनिंग की जाए कि मरीजों और जनता को कोई दिक्कत ना हो। पुलिस ने उन्हें अपने दौरे की गोपनीयता बनाए रखने की भी सलाह दी थी, ताकि हॉस्पिटल में जनता/मीडिया का जमावड़ा न लगे क्योंकि इससे अस्पताल का शांतिपूर्ण माहौल खराब हो सकता है।

सना खान दूसरी बार बनीं मां

सना खान और उनके पति अनस सैयद दूसरी बार पेरेंट्स बन चुके हैं। सना के इंस्टाग्राम पर सोमवार को एक वीडियो मैसेज शेयर किया गया है। इसमें ब्लू थीम पर लिखा है कि 5 जनवरी को सना और अनस के घर बेटा पैदा हुआ। अब सना दो बेटों की मां बन चुकी हैं। सना ने पोस्ट के साथ मैसेज भी लिखा है।

सना का कैप्शन है, अल्लाह ताला ने हर चीज मुकद्दर में लिखी है। वक्त आने पर अल्लाह उसको अता करता है और जब अता करता है तो झोलियां खुशियों से भर देता है। सना खान ने मोहम्मद मुफ्ती से 21 नवंबर 2020 को शादी की थी। उनके पहले बेटे का जन्म 5 जुलाई 2023 को हुआ था। सना खान बिग बॉस 6 की कंटेस्टेंट रह चुकी हैं। उन्होंने जय हो , वजह तुम हो और हल्ला बोल जैसी फिल्मों में काम किया है। सना ने अक्तूबर 2020 में ग्लैमर इंडस्ट्री छोड़ने की घोषणा की थी। इसके बाद सना के निकाह की खबर भी आ गई। सना कई इंटरव्यूज में बोल चुकी हैं कि अब वह अपनी जिंदगी से बेहद खुश हैं। पहले भटक गई थीं।

अमिताभ बच्चन
खाना खाते वक्त उत्तर दिशा की तरफ रखते हैं मुंह

कौन बनेगा करोड़पति 16 के लेटेस्ट एपिसोड में अमिताभ बच्चन के परिवार से जुड़ी एक इंट्रेस्टिंग बात सामने आई। हॉट सीट पर बैठे कंटेस्टेंट कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने एक बुक की चर्चा की। यह किताब हरिवंश राय बच्चन की थी। इसमें उन्होंने जिक्र किया था कि बच्चन परिवार हमेशा साथ में खाना खाता है और डाइनिंग टेबल की दिशा उत्तर की ओर होती है। अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर कौशलेंद्र प्रताप सिंह थे। उन्होंने बिग बी को बताया कि उनके पिता हरिवंश राय बच्चन की एक किताब पढ़ी थी। इसमें उन्होंने लिखा था कि उनके परिवार के सारे लोग खाना हमेशा साथ में खाते हैं।

साथ ही बताया था कि अमिताभ बच्चन हमेशा ऐसी डाइनिंग टेबल पर नॉर्थ की तरफ मुंह करके बैठते हैं। किताब में लिखा है कि नॉर्थ की ओर बैठने से सच हासिल होता है जबकि हरिवंश राय चाहते थे कि अमिताभ बच्चन लंबी उम्र जिएं। कौशलेंद्र ने बताया, 'उन्होंने लिखा था, मुझे सच की जरूरत है लेकिन तुम्हें (अमिताभ को) लंबी उम्र की।' हरिवंश ने यह भी लिखा था कि जब उन्होंने अमिताभ जगह नॉर्थ की तरफ मुंह करके बैठने की इच्छा जताई तो बिग बी ने उनसे कहा था, 'मुझे सच की कीमत पर लंबी उम्र नहीं चाहिए।' बता दें कि आयुर्वेद और वास्तु में माना जाता है कि पूर्व की ओर मुंह करके खाने से लंबी उम्र मिलती है जबकि उत्तर की ओर ज्ञान, सच और स्पिरिचुअल पावर मिलता है। अमिताभ बच्चन ने बताया, 'मेरे पिता हमेशा चाहते थे कि मेरी उम्र लंबी हो, उनके लिए बस यही बहुत था।'

सोनू के फैंस ने तोड़ा राम चरण का रिकॉर्ड!

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी 'फतेह' को लेकर खबरों में बने हुए हैं। सोनू की ये फिल्म दो दिनों बाद यानी 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस इस फिल्म को लेकर सोनू के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। ये फिल्म एक्शन और रोमांस से भरी हुई है। इस वक्त 'फतेह' की पूरी टीम जोरों-शोरों से प्रमोशन में जुटी है। इसी बीच अब सोनू सूद के स्टूडेंट्स फैंस ने एक नया रिकॉर्ड बना दिया है, जिसे देखकर खुद एक्टर भी हैरान रह जाएंगे। दरअसल, सोनू सूद के स्टूडेंट्स फैंस ने सोलापुर में एक नया रिकॉर्ड बनाया है।

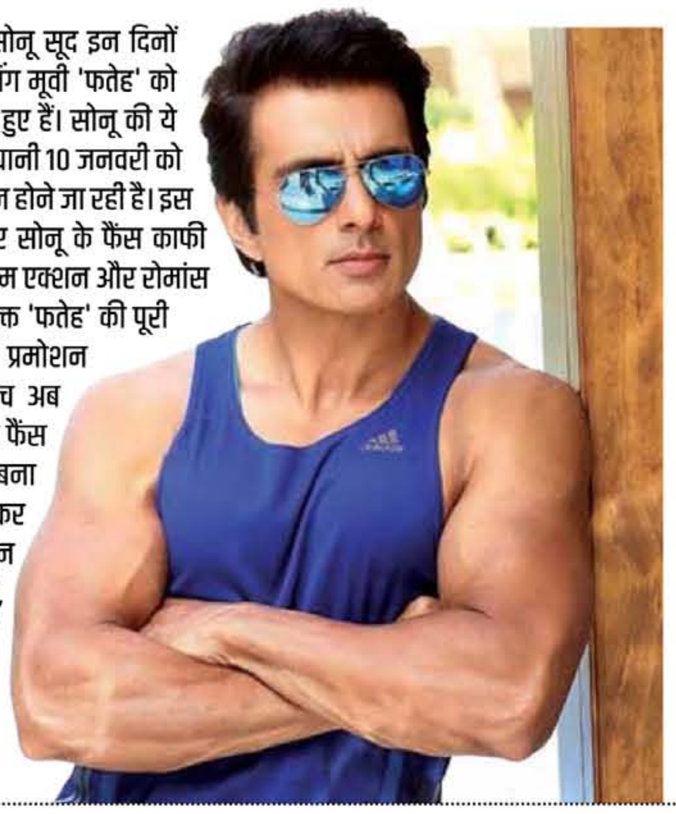

बता दें कि 500 स्टूडेंट सोनू की अपकमिंग मूवी 'फतेह' के 390 फीट का कटआउट लेकर मैदान में वॉक किया। इस पोस्ट के जरिए स्टूडेंट्स ने सोनू के प्रति अपने प्यार और सम्मान को जाहिर किया। बता दें कि इससे पहले दिसंबर, 2024 में साउथ एक्टर राम चरण का भी एक कटआउट फैंस ने बनाया था जो 256 फीट का था। ऐसे में सोनू सूद ने उन्हें भी पीछे छोड़ दिया है।
सोनू सूद ने अपने स्टूडेंट्स के इस वीडियो को अपने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है। उन्होंने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, '390 फीट, 500 स्टूडेंट्स, 1 इमोशन, फतेह।' इसके साथ सोनू ने भारत के झंडे के साथ दिल का इमोजी भी शेयर किया है। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। इस पर फैंस लगातार कमेंट कर अपनी खुशी जाहिर करते दिख रहे हैं।

बीमारी के बाद
टाइगर श्रॉफ
ने फ्लॉन्ट किए 8 पैक एब्स

टाइगर अपने जबरदस्त एब्स, मस्कुलर बॉडी और फ्लेक्सिबल मूवमेंट्स के लिए मशहूर हैं। उन्होंने मार्शल आर्ट्स और डांस में महारत हासिल की हुई है। एक्टर अपने इंस्टाग्राम पर अक्सर वर्कआउट और बॉडी की तस्वीरें पोस्ट करते रहते हैं। हाल में टाइगर ने अपना फोटोशूट करवाया था जिसकी तस्वीरें उन्होंने फैंस के साथ शेयर की थी। इन तस्वीरों में एक्टर की बढ़ी हुई दाढ़ी और 8 एब्स वाली बॉडी नजर आ रही है। ऐसी बॉडी बनाने के लिए एक्टर ने घंटों जिम में पसीना बहाया है। टाइगर का ऐसी फिटनेस पाने का सिर्फ एक ही मंत्र है। अच्छी डाइट, कार्डियो और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग। एक्टर अपनी डाइट में प्रोटीन रिच फूड जैसे चिकन ब्रेस्ट, मछली शामिल करते हैं। इसके अलावा रोजाना वर्कआउट करना नहीं भूलते।

एक्टर सुबह की शुरुआत में योग और मेडिटेशन से करते हैं। इसके बाद जॉगिंग, रनिंग, और फ्री हैंड एक्सरसाइज़। जिम और ट्रेनिंग एक्टर के दिन का बड़ा हिस्सा है। इसमें एक्टर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, वेट लिफ्टिंग, और मार्शल आर्ट्स प्रैक्टिस करते हैं। टाइगर श्रॉफ हर दिन बॉडी के अलग-अलग हिस्सों पर फोकस करते हैं। सोमवारः चेस्ट और ट्राइसेप्स। मंगलवारः बैक और बाइसेप्स। बुधवारः एब्स और कोर स्ट्रेंथ। डांस रिहर्सलः दिन में 1-2 घंटे डांस प्रैक्टिस।टाइगर श्रॉफ के लिए पिछला साल खास नहीं रहा। लेकिन आने वाले महीनों में एक्टर कई शानदार फिल्मों में नजर आने वाले हैं। उनकी अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में रैंबो है जो हॉलीवुड की पॉपुलर रैंबो फ्रेंचाइज़ी का रीमेक है। हीरोपंती 3, स्क्रू ढीला और बागी 4 जैसी फिल्में शामिल हैं। टाइगर श्रॉफ के लिए पिछला साल खास नहीं रहा। एक्टर की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। इस लिस्ट में बड़े बजट में बनी अक्षय कुमार के साथ बनी बड़े मियां छोटे मियां भी शामिल थी। उम्मीद है आने वाली फिल्मों से एक्टर कमाल कर पाए।

ऑस्कर 2025 की रेस में सूर्या-बॉबी देओल की 'कंगुवा' की एंट्री से लोग हैरान!

साल 2024 में रिलीज हुई तमिल सुपरस्टार सूर्या और बॉबी देओल स्टारर फिल्म 'कंगुवा' फैंस ने बेसब्री से इंतजार किया था। वह रिलीज हुई तो बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक ही परफॉर्म कर सकी थी। 350 करोड़ के बजट में बनी इस मूवी ने 106 करोड़ रुपये ही कमाए थे। इतना ही नहीं, रिलीज के एक महीने के अंदर ये OTT पर आ गई थी। बावजूद इसके अब खबर है कि वह ऑस्कर 2025 की टॉप कंटेंडर बन गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कंगुवा' डिजास्टर साबित हुई थी।

लेकिन अब वह शुचि तलाटी की 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' (2024) और पायल कपाड़िया की 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' (2024) के साथ कम्पीट कर रही है। एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने बताया है कि 97वें ऑस्कर अवॉर्ड के लिए 323 फिल्मों का नाम आया है। इसमें से 207 बेस्ट फिल्म की कैटेगरी में हैं। और उसमें 6 भारतीय फिल्में हैं। एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज के मुताबिक, 'कंगुवा' (तमिल), 'आदुजीविथमः द गोट लाइफ' (हिंदी), 'संतोष' (हिंदी), 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' (हिंदी), 'ऑल वी इमेजिन एज़ लाइट' (मलयालम-हिंदी) और 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' (हिंदी-अंग्रेजी) जैसी फिल्में लिस्टे में शामिल हैं। अब इस खबर से फैंस खुश हैं। लेकिन कुछ ये सोचने पर मजबूर हैं और जानना चाहते हैं कि बॉक्स ऑफिस पर फुस्स हुई Kanguva इस लिस्ट में क्यों शुमार है।

थ्रिलर 'मिशन ग्रे हाउस' का म्यूजिक लांच

नये साल की शुरुआत हो चुकी है। पिछले साल इंडियन फिल्म इंडस्ट्री ने एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्मों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। साल 2025 में भी दर्शकों के लिए अलग अलग जॉनर की शानदार फिल्में आने वाली हैं। इसी क्रम में इस साल की पहली म्यूज़िकल सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'मिशन ग्रे हाउस' का म्यूजिक मुंबई में रिलीज हुआ ।इस अवसर पर 'मैजिशियन ऑफ मेलोडी' से जाने जानेवाले मशहूर प्रसिद्ध प्लैबैक सिंगर और म्यूजिशियन शान ने फिल्म का म्यूजिक लॉन्च किया। इसके साथ ही फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले अभिनेता अबीर खान, पूजा शर्मा और फिल्म के निर्देशक नौशाद सिद्धिकी भी उपस्थित रहे। शान ने फिल्म मिशन ग्रे हाउस में अपनी आवाज से गानों की सजाया है।

इस फिल्म में 2 गाने हैं जिसमें से एक ₹यारियाँ - यारियाँ को शान ने अपनी जानी पहचानी मेलोडियस आवाज में गाया है तथा दूसरे गाने लहू आवाज देता है को अपने सूफियाना अंदाज में गया है सुखविंदर ने। दोनों ही गाने काफी सुरीले हैं और फिल्म को रफ्तार देते हैं। म्यूजिक लॉन्च के अवसर पर मशहूर सिंगर शान ने लाइव परफ़ॉर्म किया और यारियाँ यारियाँ गा कर वहाँ उपस्थित मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नौशाद सिद्दीकी के निर्देशन में बनी और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण रफत फिल्म्स एंटरटेनमेंट ने किया है। फिल्म को संगीत एच. रॉय ने दिया है और गानों के लीरिक्स अमिताभ रंजन और रवि यादव ने लिखे हैं। फिल्म में शान और सुखविंदर जैसे बड़े और बेहतरीन सिंगर्स ने गाना गया है। फिल्म की कहानी ज़ेबा के. द्वारा लिखी गई है।

सारा अली खान ने किए महादेव के दर्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान के करियर का ग्राफ बहुत तेजी से ऊपर गया है। सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म 'केदारनाथ' के जरिए अपने करियर की शानदार शुरुआत करने वाली सारा अली खान की हिंदुत्व में ऐसी आस्था है कि वह अक्सर ही किसी ज्योतिर्लिंग या धाम के दर्शन को पहुंच जाती हैं। साल 2025 का पहला सोमवार भी सारा अली खान ने आध्यात्मिक अंदाज में शुरू किया है। सारा अली खान ने साल का पहला सोमवार श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर के दर्शन करके शुरू किया। साल का पहला सोमवार इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन करके बिताने से शुरू करने वाली सारा अली खान की यह तस्वीर मिनटों में इंटरनेट पर वायरल हो गई। सारा अली खान ने इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, ₹सारा के साल का पहला सोमवार। जय भोलेनामथ।₹ सारा अली खान की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर आते ही जमकर शेयर की जाने लगी और कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, ₹तुम्हें शंकर का आशीर्वाद मिला हुआ है सारा। वहीं एक यूजर ने लिखा- स्काय फोर्स के लिए शुभकामनाएं।

इब्राहिम अली खान साउथ एक्ट्रेस के साथ हुए स्पॉट

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान इस साल बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो एक्टर को सरहदें नाम की फिल्म में देखा जाएगा। अब होने वाले एक्टर को उनकी दूसरी फिल्म मिलने की खबर सामने आई है। खास बात ये है कि इस फिल्म में उन्हें एक नई लड़की श्रीलीला के साथ देखा जाएगा। दोनों को आज मडॉक फिल्म्स के ऑफिस के बाहर देखा गया। इस मौके पर इब्राहिम और श्रीलीला एक दूसरे के साथ बातचीत करते भी दिखे। इब्राहिम ने ब्लैक शर्ट कैरी की हुई थी और चश्मा लगाया हुआ था। दूसरी तरफ श्रीलीला ब्लू डेनिम जैकेट में नजर आई। श्रीलीला, जो साउथ सिनेमा में अपनी पहचान बना चुकी हैं, अब बॉलीवुड में कदम रखने की तैयारी कर रही हैं। वहीं, इब्राहिम अली खान अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने जा रहे हैं। माना जा रहा है कि मडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली इस नई फिल्म में दोनों एक साथ नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार ये एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें श्रीलीला और इब्राहिम की जोड़ी लीड रोल में नजर आएगी। फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने की खबरहै, और इसे अगले साल के अंत तक रिलीज किया जा सकता है। अब फैंस इस जोड़ी को साथ देखने का इंतजार कर रहे हैं। बता दें, इब्राहिम अली खान पिछले कुछ समय से इंडस्ट्री में कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं।

आमिर खान को खुशी कपूर में दिखी श्रीदेवी की झलक

आमिर खान के बेटे जुनैद खान वेब शो महाराजा से ऑडियंस के बीच अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे हैं। अब एक्टर खुशी कपूर के साथ फिल्म लवयापा हो गया न से कमाल करने को तैयार हैं। फिल्म का गाना हाल में रिलीज हुआ था जो खास पसंद नहीं किया गया। लेकिन फिल्म एंटरटेनिंग होने वाली है। ये हम नहीं बल्कि आमिर खान ने हाल में दिए एक इंटरव्यू में कहा है। इस इंटरव्यू में आमिर ने खुशी कपूर की तुलना श्रीदेवी से तक कर डाली जिसे लेकर रेडिट यूजर्स नाराज हैं। आमिर खान ने ANI से बात करते हुए कहा 'जब मैंने फिल्म में खुशी को देखा, तो मुझे लगा कि मैं श्रीदेवी को देख रहा हूं।

उनकी एनर्जी में वही झलक थी। मैं श्रीदेवी का बहुत बड़ा फैन हूं।' खुशी कपूर की तुलना लीजेंडरी श्रीदेवी से करना सोशल मीडिया यूजर्स को रास नहीं है। इस वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा 'अरे मामू एनर्जी ही तो नहीं है', अगले यूजर ने लिखा इतना झूठ मत बोलो, एक और यूजर ने लिखा 'बच्चों के लिए क्या क्या करना पड़ता है।' बता दें, लवयापा एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसका डायरेक्शन लाल सिंह चड्ढा, सीक्रेट सुपरस्टार जैसी फिल्में बनाने वाले अद्वैत चंदन ने किया है। यह फिल्म फरवरी रिलीज हो रही है। खुशी और जुनैद की ये पहली फिल्म है जो थिएटर पर रिलीज हो रही है। इससे पहले एक्ट्रेस को 2023 में आई नेटफ्लिक्स की द आर्चीज में देखा गया था। जुनैद ने महाराजा नाम की सीरीज से पॉपुलैरिटी बटोरी।

'बाबा के बुल्डोजर' ने 480 करोड़ की भूमि से हटाया अवैध अतिक्रमण

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जिले में अवैध अतिक्रमण कराने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के आदेश दिए हैं। डीएम के आदेश पर जिला प्रशासन ने थाना बिसरख के सोरखा माजरा में बड़ी कार्रवाई की।

दादरी एसडीएम अनुज नेहरा के नेतृत्व में राज्य सरकार और डूब क्षेत्र की ढाई सौ बीघा जमीन को भूमाफियाओं से कब्जा मुक्त कराया गया। कब्जा मुक्त कराई गई जमीन की कीमत 480 करोड़ रूपये है। इस पर भूमाफियाओं ने जबरन अवैध कब्जा कर भोले भाले गरीब लोगों को बेच रहे थे।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के आदेश पर नोएडा के सोरखा माजरा में करोड़ों रुपये की जमीन को कब्जा मुक्त करवाया गया है। यहां पर भूमाफिया के द्वारा अवैध अतिक्रमण करके अवैध कॉलोनी काटी जा रही थी। भू-माफियाओं ने यहां प्लॉटों पर बाउंड्री बॉल भी बना दी थी जिसे तोड़ दिया गया।

'संविधान गौरव अभियान' को लेकर हुई बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा नोएडा महानगर की जिला कार्यकारिणी बैठक जिला कार्यालय सेक्टर 116 में संपन्न हुई। ये बैठक आगामी कार्यक्रम 'संविधान गौरव अभियान' को ले कर आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में गौतमबुद्धनगर सांसद डॉक्टर महेश शर्मा मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता नोएडा के जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता द्वारा की गई।

डा. महेश शर्मा ने कहा कि संविधान गौरव अभियान के लिए की विभिन्न स्तर पर टोलियों का गठन हो रहा है, इसमें प्रदेश, जिले और मंडल स्तर पर टोली बनाई जा रही है। टोलियों में एक संयोजक और 2 सह संयोजक रहेंगे। 1 से 9 जनवरी के बीच जिले में और मंडल पर हम सभी को बैठक करनी है जिसमें जिला स्तर पर 6 और 7 जनवरी एवं मंडल स्तर पर 9 जनवरी को बैठकों को आयोजित करनी है। इसमें सभी पदाधिकारी और मंडलों के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

इसके बाद 9 से 10 जनवरी के बीच मोर्चा को जिला स्तर पर बैठक हो करना है, जहां भाजपा की उपलब्धियां और बाबा साहब अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने की प्रतियोगिता को बढ़ावा देने के लिए बैठक कि जाएंगे, इसके बाद 12 से 15 जनवरी के बीच प्रदेश स्तर की गोष्ठियों की रूपरेखा बनाई गई है, साथ ही 11 से 25 जनवरी में सभी जिला केंद्रों में अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा 'हमारा संविधा-हमारा स्वाभिमान' पर गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। इसी के चलते विभिन्न स्कूल कॉलेज विश्वविद्यालय में 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' के विषय पर युवा मोर्चा क्विज निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी कराएगा। 20 से 25 जनवरी के बीच सभी बूथों एवं मंडलों पर पार्टी के कार्यकर्ता आमजन के साथ इकट्ठे होकर भारतीय संविधान के प्रस्ताव एवं नीतियों पर चर्चा करेंगे।

बैठक में उमेश त्यागी, गणेश जाटव, गणेश जाटव, डिंपल आनंद, मनीष शर्मा, विनोद शर्मा, गिरीश कोटनाला, तन्मय शंकर, युद्धवीर चौहान, चमन अवन, प्रमोद बहल, अमरीश त्यागी, इस पी चमोली, रवि प्रधान, प्रज्ञा पाठक, पंकज झा, गोपाल गौड़, ओम यादव, लोकेश कश्यप, शारदा चतुर्वेदी, सचिन अंबावत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पांच माह बाद फिर जिम्स के निदेशक बने डॉ. ब्रिगेडियर राकेश गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। निरंतर छः वर्ष तक पहले बतौर निदेशक ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले डॉ ब्रिगेडियर राकेश कुमार गुप्ता पर उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बार फिर भरोसा जताते हुए उन्हें अगले पांच वर्षों के लिए निदेशक के पद पर नियुक्त किया है।गत 1 दिसंबर को इस पद के लिए आवेदन करने वाले 39 उम्मीदवारों में जिम्स के ही तीन चिकित्सकों सहित एम्स दिल्ली सहित कई चिकित्सा संस्थानों के लोगों ने साक्षात्कार दिया था परंतु बाजी डॉ राकेश कुमार गुप्ता के हाथ लगी। उन्होंने आज दोपहर जिम्स पहुंचकर कार्यभार संभाल लिया।

उल्लेखनीय है कि गत 30 दिसंबर को नेक दृष्टि ने अपनी पोस्ट में इस पद के तीन प्रमुख दावेदारों में डॉ ब्रिगेडियर राकेश कुमार गुप्ता को सबसे आगे बताया था। डॉ गुप्ता इससे पहले छः वर्ष तक निरंतर निदेशक रहने के पश्चात गत 20 जुलाई को सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में जिम्स को एक बिल्कुल शुरुआती संस्थान से एक महत्वपूर्ण संस्थान में बदल दिया था। यहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में रोगी ईलाज लेने आते हैं। संस्थान में 20 से अधिक विभाग कार्यशील हैं जबकि सैकड़ों स्नातक और परास्नातक चिकित्सकों को तैयार किया जा रहा है। ऐसे में उनके पुन: निदेशक नियुक्त होने से संस्थान के और तेजी से प्रगति करने की संभावना प्रबल हो गई है।

एआरटीओ विभाग ने वाहनों पर लगाये रिफ्लेक्टर

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में कोहरे दौरान होने वाली जनहानि एवं दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत विशेष अभियान संचालित करते हुये दादरी, नालेज पार्क, जेवर क्षेत्र में विभिन्न वाहनों में रिफ्लेक्टर टेप लगवाये गये एवं जनसामान्य से सड़क सुरक्षा उपायों को अपनाने व सावधानी बरतने की अपील की गई।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ0 उदित नारायण पाण्डेय ने बताया कि सर्दी में कोहरे के दृष्टिगत आवश्यक है वाहन चलाते समय सुरक्षात्मक उपायों को अवश्य अपनाया जाये, ताकि कोहरे या धुंध के कारण सड़क दुर्घटनाएं न होने पायें। उन्होंने कोहरे के दृष्टिगत वाहन चलाते समय जन सामान्य से सावधानी अपनाने की अपील करते हुए सड़क सुरक्षा उपायों के सम्बन्ध में बताया कि धुंध या कोहरे में सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए बिंदुवार उपायों को अपनाते हुए आप अपनी एवं दूसरों की सुरक्षित यात्रा को सुनिश्चित कर सकते हैं।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी मण्डल अध्यक्ष का स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के श्यामा प्रसाद मुखर्जी मण्डल के नव निर्वाचित अध्यक्ष राम कृष्णा यादव का भाजपा जिला संयोजक सोशल मीडिया शिवांश श्रीवास्तव के आवास पर स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में नोएडा सेवन एक्स सोसिएटी के सर्वाधिक सोसाइटी के बूथ अध्यक्ष व वर्तमान एओए अध्यक्ष उपस्थित रहे।

मंच संचालन सोशल मीडिया के मंडल संयोजक व नोफा के संस्थापक सदस्य पुनीत शर्मा के किया। वहीं कार्यक्रम के सुगम प्रस्ताव को प्रतीक विस्टेरिया के एओए अध्यक्ष नवनीत जौहरी ने की। मण्डल अध्यक्ष राम कृष्णा यादव ने सबको भरोसा दिलाया कि वो पार्टी के कार्यों के लिए व पार्टी के विचारों व कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। शिवांश श्रीवास्तव ने कहा की पूर्व में पंकज झा के नेतृत्व में भी मण्डल में अच्छा काम व सबकी सहभागिता थी।

कार्यक्रम में नितेश रंजन, अभिनव सैनी, निखिल कुमार, संजय सिंह, नवीन, एस के श्रीवास्तव आदि सम्मलित हुए।

प्राधिकरण का एक्शन : नोएडा में सील करोड़ों रूपये के निर्माणाधीन फ्लैट

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने अवैध रूप से निर्माण करने वालों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। ग्रामीण इलाकों में धड़ल्ले से किया जा रहे अवैध निर्माण पर नकेल कसने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने वाजिदपुर गांव में अवैध बिल्डिंग को सील कर दिया। इस बिल्डिंग में फ्लैट बनाए जा रहे थे। कोर्ट के आदेश के बावजूद अवैध निर्माण करने वालों ने अपनी गतिविधियों को नहीं रोका और निर्माण जारी रखा।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ लोकेश एम के सख्त निर्देशों के बाद नोएडा प्राधिकरण की टीम ने वाजिदपुर गांव में अवैध रूप से बनाई जा रही बिल्डिंग को सील कर दिया। ग्राम वाजिदपुर के खसरा नंबर 168, 198 व 199 की भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा बिना अनुमति के फ्लैटनुमा बहुमंजिल इमारत का निर्माण किया जा रहा था।

नोएडा प्राधिकरण लगातार अवैध निर्माण को रोकने के लिए धारा 10 के तहत नोटिस जारी कर रहा था, लेकिन अवैध रूप से बनाई जा रही बिल्डिंग का निर्माण कार्य नहीं रोका गया। इस मामले में उच्च न्यायालय इलाहाबाद में यथा स्थिति के आदेश को पारित किया था। इसके बावजूद भी अतिक्रमणकारियों हाई कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करते हुए अवैध निर्माण कर रहे थे। वाजिदपुर की इस भूमि पर अवैध निर्माण होता देख नोएडा प्राधिकरण के विशेष कार्य अधिकारी (भूलेख) द्वारा थाना अध्यक्ष थाना एक्सप्रेसवे को आदेशित किया गया था कि अवैध निर्माण रुकवाया जाए इसके बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका गया। कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने वाले अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नोएडा प्राधिकरण की टीम ने मंगलवार को अनाधिकृत निर्माण को सील कर दिया। सीलिंग की कार्रवाई के दौरान थाना एक्सप्रेसवे और सेक्टर 135 की पुलिस मौके पर मौजूद थी।

'व्यापारियों की हर समस्या का समाधान होगा'

जीएसटी अपर आयुक्त ने कहा- जीएसटी से डरने की जरूरत नहीं

नोएडा (चेतना मंच)। एडिशनल कमिशनर वाणिज्य कर विभाग श्रीमति चाँदनी सिंह उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में पहुँची। व्यापार मंडल के सदस्यों द्वारा उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर श्रीमती चाँदनी सिंह ने कहा कि हम हमेशा व्यापारियों के साथ हैं। जब तक व्यापार और उद्योग नहीं बढेंगे तब तक हमारा प्रदेश विकास नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापारी को अधिकारियों से डरने की ज़रूरत नहीं है उन्हें कोई भी समस्या हो तो तुरंत GST कार्यालय में पहुंचकर अपनी समस्या के बारे में हमें बताएँ। श्रीमती सिंह ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर में किसी भी व्यापारी का शोषण नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वो तालमेल के साथ कार्य करें और कम से कम डॉक्यूमेंट्स ने अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करवाने की कार्रवाई को अंजाम दें।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि सेक्टर 115 में नव निर्मित व्यापार मंडल के कार्यालय में श्रीमती चाँदनी सिंह का आना व्यापारियों के लिए नई किरन जैसा है।

व्यापार मंडल द्वारा अनेक परेशानियों से उनको अवगत करवाया गया। व्यापार मंडल के चेयरमैन नवनीत गुप्ता द्वारा बताया गया कि क्लेरीकल मिस्टेक पर जो गाड़ियां पकड़ी जाती है उनको वही छोटा जुर्माना लगाकर छोड़ा जाए।

प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल, प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल व महिला मंडल की उपाध्यक्ष श्रेया सिंह ने भी कुछ सुझाव दिए।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता जी प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल प्रदेश सचिव शिवा चौहान उद्योग प्रकोष्ठ अध्यक्ष शक्ति सिंह महिला उपाध्यक्ष श्रेया शर्मा सोविंद्र सिंह व अन्य कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।